04 - इच्छा मृत्यु की जीत से उपजे सवाल

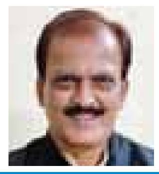
05 - शेखचिल्ली: हास्य कथाओं का नायक या आध्यात्मिक गुरु..!!

A Daily News Magazine
इंदौर
शनिवार, 28 मार्च, 2026

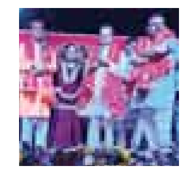
06 - माँ के आशीर्वाद से ही सभी कार्य सफल होते हैं: शुक्ल

07 - बासौदा वन क्षेत्र में अवैध पत्थर खनन पर कार्यवाही जारी

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 174, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

शिक्षण संस्थाओं में सिर्फ डिग्री मिल रही है, ज्ञान नहीं!

सतीश झा

कुछ असफलताएँ इसीलिए जीवित रहती हैं कि उन्हें भुला दिया जाता है। कुछ असफलताएँ इसीलिए अमर हो जाती हैं कि उन्हें ठीक उसी रूप में गढ़ा गया था। भारत की शिक्षा-व्यवस्था दूसरी श्रेणी में आती है। पचहत्तर वर्ष बीत गए, फिर भी यह व्यवस्था एक ही फल देती रही है- जैसे कोई पुराना वृक्ष हर ऋतु में एक ही फल लाता हो। बच्चे स्कूल जाते हैं, नाम दर्ज होते हैं, प्रमाण-पत्र मिल जाते हैं, कक्षाएँ आगे बढ़ जाती हैं- पर दिमाग पीछे छूट जाता है। सीखने की जगह पास होना मुख्य हो गया है। पढ़ाई की जगह प्रमाणित होना।

यह कोई दुर्घटना नहीं है। यह कोई प्रशासनिक चूक नहीं है। यह कोई फंड की कमी नहीं है। यह एक सुविचारित, सुसंगठित और स्व-रक्षक संतुलन है। हमने शिक्षा को ज्ञान का मंदिर नहीं बनाया, बल्कि एक विशाल कारखाना बना दिया- जहाँ कच्चा माल (बच्चे) अंदर आता है और तैयार माल (डिग्रीधारी) बाहर निकलता है। कारखाना चल रहा है। उत्पादन बढ़ रहा है। मालिक संतुष्ट हैं। केवल एक छोटी-सी बात भूल गई- माल में जान नहीं है।

यह विरोधाभास देखकर मन अवाक रह जाता है। हमने दुनिया का सबसे बड़ा स्कूल-तंत्र खड़ा कर दिया। हर बच्चा नामांकित है। नीतियाँ लिखी जाती हैं- 'सोचने की क्षमता', 'लचीलेपन', 'इक्कीसवीं सदी की चुनौतियाँ'। फिर भी पाँचवीं कक्षा तक पहुँचते-पहुँचते आधे से अधिक बच्चे दूसरी कक्षा का साधारण वाक्य भी नहीं पढ़ पाते। बीस वर्ष से निरंतर प्रमाण आ रहे हैं कि बच्चे क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। फिर भी वही पुराना गीत- क्लास आगे, दिमाग पीछे। व्यवस्था खराब नहीं चल रही। वह ठीक उसी लक्ष्य के अनुरूप चल रही है जिसके लिए उसे रचा गया था। वह मापती है भर्ती को। गिनती है पूर्णता की। मूल्य है प्रमाण-पत्र का। ये तीनों चीजें दिखाई दे सकती हैं, फोटो खींची जा सकती हैं, भाषण में गाई जा सकती हैं।

शिक्षा अब क्षमता का विकास नहीं, पास कराने का प्रबंधन बन गई है- एक कक्षा से दूसरी कक्षा, एक स्कूल से कॉलेज, एक डिग्री से नौकरी की लंबी कतार तक। शिक्षक का वेतन वरिष्ठता से जुड़ा है, नौकरी अटल है, छात्र की सीख पर कोई जवाबदेही नहीं। ऐसे में हर बच्चे को उसके वास्तविक स्तर पर समझकर पढ़ाना अनावश्यक हो जाता है।

सबसे सरल रास्ता है- किताब खोलो, सिलेबस पूरा करो, क्लास आगे बढ़ाओ। प्रशासक को इंफ्रास्ट्रक्चर, भर्ती और योजनाओं की पूर्ति से नापा जाता है। राजनेता को दिखने वाले आँकड़ों और संगठित शिक्षक-संघों से। शिक्षक-संघ, बुद्धिमानी से, अपने हित की रक्षा करते हैं और किसी भी ऐसे सुधार का विरोध करते हैं जो नतीजों से वेतन या सुरक्षा को जोड़े। हर पक्ष तर्कसंगत व्यवहार करता है। पूरा तंत्र मिलकर वह नतीजा पैदा करता है जिसे कोई अकेला नहीं चाहता, पर सब मिलकर बनाए रखते हैं।

यह कोई साधारण खराब संतुलन नहीं है। यह एक आत्मरक्षक, स्वयं-परिपोषित संतुलन है। कोई सुधार इसे चुनौती देता है तो उसे सीधे नहीं मारा जाता। उसे निगल लिया जाता है। नया पाठ्यक्रम नया दस्तावेज बन जाता है। नई तकनीक नई खरीदारी। नई नीति नया ऐलान। कक्षा, जहाँ असली शिक्षा होनी चाहिए, लगभग वैसी ही रह जाती है। व्यवस्था बदलाव का विरोध नहीं करती- वह उसे बेअसर कर देती है।

फिर भी इस घोर जड़ता के बीच एक चमकती हुई आशा छिपी है। पिछले बीस वर्षों में भारत के स्कूलों में किए गए कठोर, वैज्ञानिक प्रयोगों ने साबित कर दिया है कि सीखना तेजी से, सस्ते में और गहराई से बढ़ाया जा सकता है। सबसे बड़ा रहस्य सरल है- बच्चा असफल नहीं होता, क्योंकि वह सीखने में अक्षम है। वह असफल होता है क्योंकि उसे उस स्तर से ऊपर पढ़ाया जाता है जहाँ वह अभी पहुँचा ही नहीं है। जो बच्चा बुनियादी वाक्य नहीं पढ़ पाता, उसे चौथी-छठी कक्षा का पाठ कैसे समझ आएगा? पढ़ाई शुरू होते ही वह बाहर हो जाता है। कक्षा आगे बढ़ती रहती है। फर्क बढ़ता जाता है और सामान्य हो जाता है।

जब पढ़ाई बच्चे के वास्तविक स्तर के अनुसार की जाती है- जब उसे समूहों में बाँटकर उसी के अनुसार पढ़ाया जाता है- तो चमत्कार होता है। नतीजे कई महीनों या पूरे एक वर्ष की अतिरिक्त सीख के बराबर हो जाते हैं। यह महँगा नहीं है। जटिल नहीं है। इसमें सिर्फ इतना चाहिए कि शिक्षक बच्चे की स्थिति समझे, समूह बनाए और उसी के अनुसार पढ़ाए। कई राज्यों में यह आजमाया गया, दोहराया गया और सही साबित हुआ। फिर भी यह राष्ट्रीय नीति का केंद्र नहीं बना। कारण यह है कि जो व्यवस्था आगे बढ़ाने के लिए बनी है, उसे सबसे कमजोर बच्चे के इर्द-गिर्द घूमने का कोई लाभ नहीं दिखता।

अब सवाल यह है कि लक्ष्य बदला जा सकता है या नहीं। अगर व्यवस्था सीखने के वास्तविक लाभ के लिए काम करने लगे- तो सब कुछ बदल जाएगा। बच्चे को जहाँ है, वहीं से परखा जाएगा। शिक्षक को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलेगा कि वह बच्चे की सीख पर ध्यान दे। प्रगति क्षमता से मापी जाएगी, पूर्णता से नहीं। माता-पिता को नियमित और स्पष्ट जानकारी दी जाएगी कि उनका बच्चा क्या कर सकता है। तब सीखना दृश्यमान हो जाएगा। और जो दृश्यमान होता है, वह चुनौतीपूर्ण भी हो जाता है।

भारत का युवा-जनसांख्यिकीय लाभ कोई स्वर्गीय वरदान नहीं है। वह तब तक संपत्ति नहीं बन सकता जब तक वह सक्षम न हो। भारत ने ऊँचे शिखरों पर उत्कृष्ट संस्थाएँ खड़ी की हैं। अब सवाल यह है कि क्या वह उस उत्कृष्टता की एक किरण भी आधार तक पहुँचा सकता है। सवाल यह नहीं है कि हम चमकते सितारे पैदा कर सकते हैं। सवाल यह है कि क्या हम औसत को ऊपर उठा सकते हैं। जिन राष्ट्रों ने अपना इतिहास बदला, उन्होंने मानवीय क्षमता को आधार माना, न कि बचा-खुचा नतीजा। उन्होंने स्कूलिंग नहीं बढ़ाई- उन्होंने स्कूलिंग का अर्थ बदला।

देश की शिक्षा-व्यवस्था इसलिए लड़खड़ा रही है क्योंकि वह कुछ और में बेहद सफल हो रही है। यही कड़वी सच्चाई है। और यही सबसे बड़ी आशा भी। जो व्यवस्था एक नतीजे के लिए रची गई है, उसे दूसरे नतीजे के लिए फिर से रचा जा सकता है। आसानी से नहीं। विरोध के बिना नहीं। लेकिन जान-बूझकर, दृढ़ता से और सच्ची शिक्षा की प्यास से।

जब तक यह बदलाव नहीं होगा, देश वही करता रहेगा जो वह कुशलता से करता आया है- लाखों बच्चों को स्कूल से गुजारना, उनके दिमाग को अछूता छोड़ना और फिर भी इसे शिक्षा कहना।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

रामलला का सूर्य तिलक

9 मिनट ललाट पर पड़ीं किरणें

- पंचामृत से अभिषेक, स्वर्ण जड़ित पीतांबर पहनाया, अयोध्या में 10 लाख श्रद्धालु पहुंचे

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामनवमी पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक हुआ। 9 मिनट तक भगवान के ललाट पर नीली किरणें पड़ीं। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह दूसरा सूर्य तिलक है। पीएम मोदी ने टीवी पर इसे लाइव देखा। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म हो गया। इस दौरान 14 पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे। उन्होंने विशेष पूजा और आरती की। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए मंदिर के पट

बंद कर दिए गए। रामलला को 56 तरह के व्यंजन का भोग लगाया गया। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम (स्ट्रक्चर) बनाया गया है। 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भगृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया है। सुबह 5.30 बजे रामलला को पीतांबर पहनाया गया।

मुख्यमंत्री, रामनवमी के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम निरस्त कर पहुंचे छिंदवाड़ा

दिवंगत के परिजन को संबल योजना से भी दिये जायेंगे 4-4 लाख रुपए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के परिजन से भेंट कर उन्हें सांत्वना प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के संकट की घड़ी में उनके साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इन परिवारों को संबल योजना की 4 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। साथ ही दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को भी आवश्यक सहायता और निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में सभी घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 3 ग्रामों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिले- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले के ग्राम करेर तहसील मोहखेड़ की श्रीमती सिया पति श्री कृष्णा इनवाती, श्री रामदास पिता श्री सुकलू पराने, श्री दौलत पवार, श्रीमती भागवती पति श्री दान सिंह और श्रीमती शकुन पत्नी श्री लखीचन्द्र यादव के निवास जाकर मुलाकात की। ग्राम करेर में प्रभावित परिवारों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ग्राम ग्वारा और ग्राम झिरिया पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित परिवार के सदस्यों से चर्चा कर कहा कि दुख की इस घड़ी में मध्यप्रदेश सरकार आपके साथ है। आपको हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

जिला अस्पताल में उपचाररत घायलों के जाने हाल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा में गुरूवार को हुई सड़क दुर्घटना के घायल व्यक्तियों से भेंट की और उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल जाना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चिकित्सकों को सभी घायलों की समुचित चिकित्सा के निर्देश दिए। उन्होंने अब तक किए गए उपचार की जानकारी ली और निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर घायलों को नागपुर अथवा अन्य उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जाए। राज्य सरकार घायलों के निःशुल्क उपचार के लिए कटिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्य जगह रेफर किए जाने की स्थिति में भी राज्य सरकार पूर्ण सहयोग करेगी।

डर का माहौल न बनाएं

देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा

सरकार ने देश की जनता को दिया भरोसा, टीम भी की तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। सभी रिफाइनरी 100 फीसदी और उससे ज्यादा कैपेसिटी से ऑपरेट कर रही हैं। देश में एलपीजी प्रोडक्शन 40 फीसदी बढ़ा है। 14 मार्च से अब तक 30 हजार कॉमर्शियल एलपीजी दी जा चुकी है। रेस्टोरेंट, ढाबों को तवज्जो दी गई है। यह जानकारी पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने दी है। आद सुबह सरकार के तीन मंत्रियों ने भी देश में लॉकडाउन लगने की बात को नकारा है। इधर, केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर नजर रखने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली कमेटी का गठन किया है। इसमें गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ अन्य मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा सरकार जनता को भ्रमित करने वाले तत्वों पर भी नजर रख रही है।

सरकार के 3 मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को नकारा

लॉकडाउन की अफवाहें प्रधानमंत्री मोदी के चार दिन पहले संसद में दिए गए बयान के बाद शुरू हुईं। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- ये सब कौन अफवाह उड़ा रहा है। पीएम ने साफ तौर पर कहा था कि पैनिक नहीं होना है। जमाखोरियों को चेतावनी दी है। राज्य सरकारों से कहा है कि कोई भी होर्डिंग न करे। भारत सरकार के कंट्रोल में पूरी स्थिति है। आम लोगों को तकलीफ न हो इसके लिए टॉप लेवल से लेकर नीचे लेवल तक यहां तक कि पीएम खुद मॉनीटर कर रहे हैं। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में जरूरी है कि हम सभी शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें। इस तरह की स्थिति में अफवाह फैलाना और बेवजह डर का माहौल बनाना गैर-जिम्मेदाराना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मुझे हैरानी है कि कुछ नेता कह रहे हैं कि लॉकडाउन होगा और फ्यूल की कमी होगी। ये बेबुनियाद बातें हैं। राजनीतिक डोमेन में बैठे लोगों की तरफ से ऐसी बातें चिंता की बात हैं। कोविड के दौरान जैसा लॉकडाउन हमने देखा, वैसा कोई लॉकडाउन नहीं होगा।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई, नहीं बढ़ेंगे दाम

सरकार ने की 10-10 रुपए की कटौती, राहत रहेगी बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती कर दी है। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए, जबकि डीजल पर 10 से शून्य कर दी गई है। एक्साइज ड्यूटी घटाकर पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखा गया है। यूएस-इजराइल के साथ ईरान की जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे तेल कंपनियों को 30 रुपए प्रति लीटर तक घाटा हो रहा था। घाटा कवर करने के लिए तेल कंपनियां दाम बढ़ा सकती थीं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सरकार ने पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 की कमी की है, जिससे अब यह घटकर 3 प्रति लीटर रह गई है। वहीं, डीजल पर भी 10 की कटौती की गई है।

ईरान ने मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखा इजराइल पर दागीं

- इन पर पाकिस्तान का भी नाम, जंग में समर्थन पर आभार जताया

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल पर 83वीं बार मिसाइल हमला किया। इस बार मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखकर भेजा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दिखा कि ईरानी सैनिक

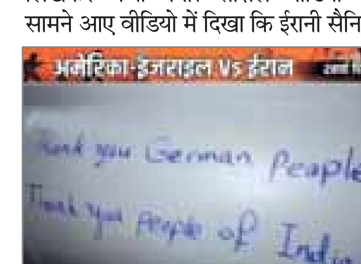

मिसाइलों पर थैंक्यू पीपल ऑफ इंडिया लिख रहे हैं। इसी तरह स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी संदेश लिखे गए। ईरान ने कहा कि यह कदम उन देशों के प्रति आभार जताने के लिए है जिन्होंने उसका समर्थन किया। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के मुताबिक, यह 83वीं स्ट्राइक थी, जिसमें लंबी और मध्यम दूरी की मिसाइलें और ड्रोन इस्तेमाल किए गए। हमलों में इजराइल के ठिकानों के साथ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया।

शरद की सुबह

तीन बाई दो की उस
पथरीली बेंच पर
तुमने बैठते ही पूछा था कि
बसन्त से पहले झड़े हुए पत्तों का
उल्काओं से क्या रिश्ता है
पसोपेश में पड़ गया था
मैं यह सोचकर कि
उल्काएँ कौन से बसंत के
पहले गिरती हैं कि
पृथ्वी के अलावा सृष्टि में
और कहाँ आता है बसन्त
चंद्रमा से पूछा मैंने तो उसने कहा
'मैं तो खुद रोज़-रोज़ झड़ता हूँ
मेरे यहाँ हर दूसरे
पखवाड़े बसन्त आता है
लेकिन उल्काओं के
बारे में नहीं जानता मैं'
पृथ्वी ने भी ऐसा ही जवाब दिया
'मैं तो खुद एक टूटे
हुए तारे की कड़ी हूँ
उल्काओं के बारे में तो जानती हूँ मैं
लेकिन बसंत से उनका
रिश्ता मुझे पता नहीं'
एक गिरती हुई उल्का ने ही
तुम्हारे सवाल का जवाब दिया
'ब्रह्माण्ड एक वृक्ष है और ग्रह,
उपग्रह, नक्षत्र उसकी शाखाएँ हैं
हम जैसे छोटे सितारे उसके पत्ते हैं
पृथ्वी पर जब बसन्त आता है तो
हम देखने चले आते हैं
झड़े हुए पत्ते हमारे पिछले
बरस के दोस्त हैं'
आओ हम दोनों मिलकर
इस बसंत में आयी हुई
उल्काओं का स्वागत करें।

-प्रेमचंद गांधी

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 28 मार्च 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

खामेनेई के पोस्टर ईरान जिंदाबाद के नारे

● जम्मू-कश्मीर विधान सभा में जमकर हुआ हंगामा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा सत्र की शुरुआत हो गई है। सत्र काफी हंगामेदार रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के विधायकों ने सदन में इजरायल मुर्दाबाद के नारे लगाए। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर के समर्थन में बैनर भी लहराए गए। भाजपा विधायकों ने इसका विरोध किया। सदन के अंदर विधायकों द्वारा खामेनेई की तस्वीरें दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। बीजेपी के विधायक भारत माता की जय के नारे लगाते रहे, जबकि कुछ विधायकों ने अमेरिका

हाय-हाय के नारे भी लगाए। रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने काले कपड़े पहन रखे थे और ईरान के खिलाफ हो रही कार्रवाई का विरोध कर रहे थे। इस बवाल की वजह से 20 से 25 मिनट के अंदर ही जम्मू-कश्मीर विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। मार्शलों की भी मदद लेनी पड़ी। सत्र के दौरान भाजपा और कांग्रेस के विधायक भी आमने-सामने आ गए थे। पीएम नरेंद्र मोदी जिंदाबाद और राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे थे। मामूली झड़प भी देखने को मिली, जिसके चलते हालात संभालने के लिए मार्शलों को बीच-बचाव करना पड़ा। ईरान-इजरायल युद्ध का असर भारत की राजनीति पर दिखने लगा है। विपक्ष का आरोप है कि इजरायल के प्रति झुकाव दिखाकर सरकार ने ईरान के साथ अन्याय किया है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने तो इसकी आलोचना की थी। दूसरी तरफ इसी युद्ध की वजह से देश में एलपीजी संकट भी शुरू हो चुका है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल को लेकर भी लंबी लाइनें लग रही हैं।

चीन सीमा पर भारत की 'अभेद्य दीवार' तैयार

● आईटीबीपी ने स्थापित कर दीं 29 नई चौकियां ● सीमाई इलाकों में मजबूत की अपनी उपस्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने 2020 से भारत-चीन सीमा पर 29 नई चौकियां स्थापित कर अपनी उपस्थिति मजबूत की है। यह 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी 2024-25 की रिपोर्ट में कहा गया है कि नई सीमा चौकियां (बीओपी) हिमालय के पश्चिमी, मध्य और

पूर्वी क्षेत्रों में 9,000 फीट से 18,750 फीट की ऊंचाई तक फैली हुई हैं, जो लद्दाख के काराकोरम दर्रे से लेकर अरुणाचल प्रदेश के जाचेप ला तक जाती हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आईटीबीपी की कुल 209 बीओपी हैं। मंत्रालय की 2020-21 की पिछली रिपोर्ट के अनुसार, आईटीबीपी द्वारा बीओपी की संख्या 180 थी। इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि बीओपी की संख्या में यह वृद्धि 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़प के बाद हुई है। नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, आईटीबीपी ने अप्रैल से दिसंबर 2024 तक भारत-चीन सीमा पर कड़ी निगरानी रखने के लिए 4,503 गश्तें कीं।

शिक्षक पात्रता परीक्षा पर पुनर्विचार किया जाए

रतलाम सांसद ने लोकसभा में उठाया मुद्दा, अनीता बोलीं- इससे शिक्षकों का मनोबल कम हो रहा

भोपाल (नप्र)। एमपी में सरकारी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करने को लेकर दिए गए निर्णय पर शिक्षक संगठनों में नाराजगी है। अब इस मामले को रतलाम से बीजेपी सांसद अनीता नागर सिंह चौहान ने लोकसभा में उठाया है। शुक्रवार को रतलाम सांसद ने मामला उठाते हुए कहा-शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत 20-25 सालों से काम कर रहे शिक्षकों से दोबारा योग्यता परीक्षा देने की बात सामने आई है। मेरे लोकसभा क्षेत्र के शिक्षकों के माध्यम से यह जानकारी सामने आई है। ये शिक्षक कई वर्षों से बच्चों को पढ़ा रहे हैं।

एमपी में सड़कों पर पुलिस नहीं कैमरे काट रहे चालान

तीन साल में 32 लाख वाहनों पर जुर्माना, कागजी चालान सिर्फ 0.2 प्रतिशत ही बचे

भोपाल (नप्र)। एमपी में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई का तरीका पूरी तरह बदलता नजर आ रहा है। अब सड़कों पर खड़े पुलिसकर्मियों से ज्यादा कैमरे चालान काट रहे हैं। पिछले तीन साल में प्रदेश में करीब 32.5 लाख ई-चालान जारी हुए हैं और यह संख्या तेजी से बढ़ी है। मध्यप्रदेश समेत देशभर में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर अब ज्यादातर चालान ई-चालान सिस्टम के जरिए किए जा रहे हैं। यह पूरी तरह डिजिटल व्यवस्था है, जिसमें सड़क पर लगे कैमरे, सॉफ्टवेयर और सरकारी डाटाबेस मिलकर काम करते हैं। पहले जहां पुलिसकर्मी मौके पर रोककर चालान बनाते थे, अब वही काम ऑटोमेटेड सिस्टम कर रहा है।

तीन सालों में 20 प्रतिशत बढ़े ई-चालान

लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े बताते हैं कि एमपी में ई-चालान का आंकड़ा तीन सालों में 20 फीसदी तक बढ़ा है। साल 2023 में मात्र 89,783 ई चालान हुए थे। 2024 में 13,43,771 ई-चालान हुए। वहीं पिछले साल 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 18,13,967 पर पहुंच गया है। तीन सालों में कुल 32,47,521 ई-चालान हुए हैं।

हर साल घट रहा कागजी चालान का सिस्टम

एमपी में पिछले तीन सालों में कागजी चालान के आंकड़े देखें तो मेन्युअल चालानी कार्रवाई लगभग समाप्ति की ओर नजर आती है। 2023 में 2,983 मेन्युअल चालान हुए थे। वहीं 2024 में ये आंकड़ा घटकर 1,386 पर आ गया। पिछले साल 2025 में मात्र 1,417 कागजी चालान हुए हैं।

राजस्थान में बम ब्लास्ट की साजिश

रेकी करने वाला पकड़ाया

● पाकिस्तानी डॉन दे रहा था ऑर्डर, दूसरे राज्यों में भी धमाकों के लिए बनाए वीडियो

श्रीगंगानगर (एजेंसी)। राजस्थान में बम ब्लास्ट की साजिश कर रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी के ऑर्डर पर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब में भी रेकी कर वीडियो बनाए थे। ये जानकारी उसने भट्टी के साथ सोशल मीडिया के जरिए शेयर भी की थी। आरोपी आकाशदीप श्रीगंगानगर के चक केरा गांव का रहने वाला है। उसे 26 मार्च की शाम को गांव से ही पकड़ा गया है। आशंका है कि आरोपी का संबंध 13 मार्च 2026 को अंबाला (हरियाणा) में मिले आरडीएक्स के मामले से हो सकता है। लालगढ़ जाटान थाना पुलिस ने आकाशदीप को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी भट्टी के साथ इंस्टाग्राम और वॉट्सएप के जरिए लंबे समय से संपर्क में था। थाना प्रभारी गुरमेल सिंह बराड़ ने यह जानकारी दी है।

धमाके वाली जगह पहुंचने का प्लान भी बनाया

आकाशदीप ने शहजाद भट्टी के कहने पर हरियाणा, पंजाब, राजस्थान में ऐसे जगहों को चिन्हित किया, जहां सबसे ज्यादा भीड़ होती है। पूछताछ में उसने बताया कि इन जगहों तक पहुंचने का प्लान भी उसने डॉन के साथ शेयर किया था। अब पुलिस उसके लोकल कॉन्टैक्ट, परिवार व अन्य लोगों से भी पूछताछ करने की तैयारी में है। पुलिस को आरोपी के मोबाइल से कई सुराग भी मिले हैं। उसने आतंकी से बात करने के लिए अलग-अलग नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बना रखे थे। आरोप है कि आकाशदीप से भारत-पाकिस्तान के लोगों से वॉयस चैट और +92 कोड वाले खास नंबर्स पर जानकारी शेयर करता था।

रनवे पर गरजे विमान आज होगा शुभारंभ

● नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत की तैयारी

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अधिकारी दिन-रात सभी काम पूरा कराने में जुटे है। गुरुवार को एयरपोर्ट साइट पर वायु सेना के विमान उतरे। उन्होंने पूर्वाभ्यास किया। उम्मीद है कि शुक्रवार शाम को मुख्यमंत्री ग्रेटर नोएडा पहुंचे और तैयारियों की समीक्षा करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को सुबह करीब 11.30 बजे टर्मिनल भवन का निरीक्षण कर नोएडा एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। दोपहर करीब 12 बजे वह जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मेड पर है। अफसर नोएडा एयरपोर्ट में डेरा डाले हुए हैं। तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

विशेष विमान से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे पीएम

पीएम शनिवार को विशेष विमान से एयरपोर्ट पहुंचेंगे। गुरुवार को वायुसेना के विमान एयरपोर्ट साइट में जनसभा स्थन के पास उतरे। उन्होंने पीएम के आने से पहले का अभ्यास किया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम को ग्रेटर नोएडा आ सकते हैं। वह एयरपोर्ट साइट पर भी आ सकते हैं।

उज्जैन में बारातियों से भरी बस पलटी, 15 घायल

सड़क निर्माण के बीच ओवरटेक करने से हादसा, इंदौर से खाचरोद जा रही थी

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के इंगोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत जहांगीरपुर गांव के पास शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। इंदौर से खाचरोद जा रही बारातियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में लगभग 18 लोग घायल हो गए।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर यह हादसा हुआ, वहां इन दिनों सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि इसी दौरान ओवरटेक करने के प्रयास में बस चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बस पलट गई। हादसे के वक्त बस में बड़ी संख्या में बाराती सवार थे।

घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका प्राथमिक उपचार जारी है। कुछ घायलों की हालत को देखते हुए 5 एंबुलेंस उज्जैन अस्पताल रवाना किया गया।

घायलों में 13 महिलाएं- नायब तहसीलदार प्रियंका जैन ने बताया कि हादसे में कुल 18 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 13 महिलाएं, 4 बच्चे और 1 पुरुष शामिल है। इनमें से 8 घायलों को उज्जैन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य का इलाज खाचरौद के अस्पताल में जारी है।

भारतियों के लिए...

पाकिस्तानी युवक बना फरिश्ता

जान पर खेलकर बाढ़ के पानी से निकाला, दुनिया कर रही सलाम

मस्कट (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान का नाम साथ आते ही दशकों के टकराव और तनाव की तस्वीर उभरकर सामने आती है। दोनों के बीच दुश्मनी राजनीतिक बयानबाजी से लेकर खेल के मैदान तक यह साफ नजर आती है। लेकिन खाड़ी देश ओमान में एक पाकिस्तानी प्रवासी ने कुछ ऐसा किया है, जिसकी खूब तारीफ हो रही है। पाकिस्तानी नागरिक ने ओमान में बाढ़ के पानी में बह गई कार से दो भारतीय नागरिकों को बचाया। मस्कट की स्थानीय रिपोर्ट में बताया गया कि घटना बीते रविवार की है। उस दिन ओमान के कई हिस्सों में बारिश हुई थी, जिससे बारिश के करण नदियां उफान पर आ गईं। बाढ़ का पानी रिहायशी और निचले इलाकों में घुस गया। बाढ़ की चपेट में आकर कम से कम 10 लोगों की मौत हुई है, जबकि दर्जनों लोगों को बचाया गया है। इसी बाढ़ के बीच दो भारतीय बाढ़ के पानी में फंस गए, जिनके लिए पाकिस्तान के शहजाद खान फरिश्ता बनकर आए। 25 वर्षीय शहजाद खान को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के रहने वाले है। वे बरका में रहकर मजदूरी करने का काम करते हैं। खान ने बताया कि बाढ़ वाली नदी के पास सैकड़ों लोग जमा थे। इसी दौरान मदद के लिए लोग चिल्ला रहे थे।

कौशांबी में पिकअप ट्रेलर में घुसी, 8 लोगों की मौत

मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे प्रयागराज से मुंडन कराकर लौट रहे थे

कौशांबी (एजेंसी)। कौशांबी में श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। 29 लोग घायल हैं। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर होने पर प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। 27 घायलों का इलाज जिला अस्पताल और एम्स में चल रहा है। सभी लोग प्रयागराज से मुंडन कराकर अपने घर फतेहपुर जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप से उछलकर लोग सड़क पर गिर गए। सड़क पर पड़े घायल तड़पते रहे।

आसपास के लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया, साथ ही पुलिस को सूचना दी। हादसा शुक्रवार शाम करीब 4 बजे नेशनल हाईवे पर डोरमा के पास हुआ। पिकअप में 25 लोगों के सवार होने की बात सामने आई है। फतेहपुर से ये लोग मां शीतला मंदिर के बाद प्रयागराज संगम मुंडन कराने आए थे। मुंडन कराकर लौटने के दौरान हादसा हो गया। सैनी क्षेत्र केडोरमा हादवे के पास खड़े ट्राला से पिकअप जा भिड़ी। इस हादसे में अब तक चार महिला और तीन बच्चों के मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, दो दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों का इलाज सीएससी सिराथू और जिला अस्पताल में कराया जा रहा है। कौशांबी में हादसे के बाद प्रशासन की टीम तत्काल ऐक्टिव हुई।

ईरान-अमेरिका युद्ध में भारत को मिली बड़ी कूटनीतिक जीत

तेल-एलपीजी छोड़िए, अब रूस से एलएनजी लाने की भी तैयारी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत को एक बड़ी कूटनीतिक जीत मिलने की संभावना पैदा हुई है। जो अमेरिका दो महीने पहले तक रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ का हथकंडा अपना रहा था, भारत अब उसी से अपने पुराने दोस्त रूस से लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) मंगवाने की भी बात कर रहा है। इसके लिए भारत ने अमेरिका से रूस से एलएनजी खरीद जारी रखने के लिए भी छूट की मांग की है। रॉयटर्स ने इस मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। बता दें कि अमेरिका ने अभी तेल और एलपीजी पर प्रतिबंधों से छूट दी हुई है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत और रूस के बीच ऊर्जा सहयोग बढ़ रहा है और दोनों ही देश यूक्रेन यूद्ध शुरू होने के बाद पहली बार एलएनजी की सप्लाई फिर से शुरू करने की तैयारियों में जुटे हैं।

रूस से एलएनजी खरीदने पर मौखिक सहमति- रिपोर्ट के अनुसार भारत और रूस के बीच एलएनजी खरीद पर डील को लेकर 19 मार्च को ही मौखिक समहति बन गई थी। यह तब हुआ जब रूसी डिप्टी एनर्जी मिनिस्टर पवेल सोरोकिन और भारत के पेट्रोलियम और गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की दिल्ली में बैठक हुई थी।

● **रूस से आने वाले एलएनजी के लिए शुरू हो गई तैयारी-** ताजा रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि भारत ने अपने ऊर्जा आयातकों से भी कह दिया है कि रूस से एलएनजी फिर से खरीदने की तैयारी शुरू कर दें। सबसे बड़ी बात ये है कि भारत और रूस के बीच एलएनजी सप्लाई को लेकर हो रही चर्चा में अमेरिका कोई खलल न डाले, उसके लिए इस रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप प्रशासन से पहले ही संपर्क किया जा चुका है। हालांकि, इसके अनुसार भारत के विदेश मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय ने संभावित एलएनजी डील को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। रूसी एनर्जी मंत्रालय ने भी भारत के साथ चल रही चर्चा पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

29 तारीख शाम छह बजे बढ़ जाएंगी पेट्रोल की कीमत

मोदी सरकार को आम लोगों की परवाह नहीं

चेन्नई (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम कर तेल कंपनियों को राहत दी। हालांकि विपक्षी दलों की तरफ से सरकार की मंशा पर अभी भी सवाल उठाए जा रहे हैं। डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई नेकहा कि यह केंद्र सरकार का एक हथकंडा है। एक्साइज ड्यूटी में इस कटौती से आम आदमी को कोई फायदा नहीं होगा, बल्कि कीमतें बढ़ेंगी। बीजेपी की सरकार चाहती है कि पांच राज्यों में चुनाव खत्म हो जाएं। इसलिए उन्होंने पेट्रोल की कीमत नहीं बढ़ाई है।

कांग्रेस का रुख भी डीएमके जैसा ही रहा है

कांग्रेस का रुख भी डीएमके जैसा ही रहा। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि यह घोषणा चार राज्यों एवं एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव के कारण की गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि लोगों को 30 अप्रैल तक का इंतजार करना चाहिए। जयराम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें गिरीं, तब भारत में आम लोगों के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम नहीं हुईं।

लसूड़िया में पेंट हाउस विवाद बना खूनी संघर्ष, आरोपी पिता और पुत्र गिरफ्तार

इंदौर। पेंट हाउस के मालिक ने विवाद के बाद गुस्से में आकर अंध गति से कार चला दी। इससे इंफोसिस कंपनी की साफ्टवेयर इंजीनियर शंपा पांडे (42) निवासी शिव वाटिका टाउनशिप एमआर 11 की मौत हो गई। कार महिला के पेट पर चढ़ा दी थी। इसके बाद उसे कुछ दूर तक घसीटा भी गया। घटना में एक महिला और पुरुष भी घायल हुए हैं। मामले में लसूड़िया पुलिस ने पेंट हाउस के मालिक पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। सहायक पुलिस आयुक्त पराग सैनी के अनुसार, घटना बुधवार रात करीब 10.30 बजे हुई। यहां सागरश्री एन्क्लेव बिल्डिंग में रहने वाले कुलदीप चौधरी अपने पेंट हाउस को एयर बीएनबी के जरिए किराए पर दे रहे थे। इससे सोसायटी के कई लोग परेशान थे, क्योंकि यहां अक्सर देर रात तक बाहरी लोगों का आना-जाना लगा रहता था। बुधवार रात इसी मुद्दे को लेकर रहवासियों और कुलदीप के बीच बहस शुरू हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई।

कैसे हुई वारदात

प्रत्यक्षदर्शी नवीन रघुवंशी के मुताबिक, विवाद के दौरान कुलदीप ने अपने बेटे मोहसिन को फोन कर बुलाया। कुछ ही देर में मोहसिन कार क्रमांक एमपी-09-सीई-7647 लेकर मौके पर पहुंचा और गुस्से में तेज रफ्तार (करीब 60-70 किमी/घंटा) से कार दौड़ा दी। पहले उसने वहां मौजूद महिला कर्मचारी को टक्कर मारी। इसके बाद सॉफ्टवेयर इंजीनियर शंपा पांडे को चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद भी उसने कार नहीं रोकी और दीवार से जा टकरा दी। पूरी घटना बिल्डिंग के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। मृतका के पति सौरभ पांडे ने बताया कि शोर सुनकर नीचे आए थे। अचानक आरोपी कार लेकर आया और लोगों को कुचलना शुरू कर दिया। वह चाहता तो कार रोक सकता था, लेकिन उसने जानबूझकर नहीं रोकी। परिवार 13 मार्च को ही यहां फ्लैट में शिफ्ट हुआ था। उनके दो छोटे बच्चे हैं।

गुस्से में महिला इंजीनियर पर चढ़ाई कार, मौत हुई, दो घायल

क्या है एयर बीएनबी

एयर बीएनबी एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जहां लोग अपने घर, फ्लैट या पेंटहाउस को शॉर्ट-टर्म किराए पर दे सकते हैं। यात्री ऐप या वेबसाइट के जरिए इन्हें बुक करते हैं। सहायक पुलिस आयुक्त विजयनगर पराग सैनी के मुताबिक, मामले में पिता पुत्र को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। जांच के बाद आरोपियों पर ओर धाराएं बढ़ाई जाएगी।

पहले भी हो चुका विवाद

रहवासियों ने पहले भी पेंट हाउस को लेकर शिकायत की थी। आरोप है कि यह पेंट हाउस अवैध रूप से चलाया जा रहा था। बिल्डर लोकेश राणा ने भी कुलदीप को कई बार चेतावनी दी थी। शनिवार-रविवार को भी इस मुद्दे पर मीटिंग में बहस हुई थी। रहवासी समीर मिश्रा के अनुसार, घटना से पहले आरोपी पिता-पुत्र ने लोगों को धमकाया था। यहां तक कि मोहसिन ने कहा था आज इन्हें खत्म कर दूंगा। इस घटना में महिला रानू रावत (40) तथा कमलेश मीणा भी घायल हो गया। उन्हें पीठ, पैर और गर्दन में गंभीर चोट आई है और सांस लेने में भी दिक्कत हो रही है। गिरफ्तार आरोपी कुलदीप मेरागी प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंट कंपनी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर है। जबकि, बेटा मोहसिन आईएलईटीएस की एग्जाम दे रहा है।

डायवर्सन राशि, फार्म हाउस सील

इंदौर। कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं एसडीएम के आदेश पर ग्राम टिगरियाराव, कनाडिया स्थित स्नेह जी फार्म हाउस पर राजस्व अमले द्वारा कार्रवाई करते हुए परिसर को सील किया गया। 13 लाख 76 हजार 600 रुपए की बकाया राशि लंबित थी। भूमि स्वामी हिमालय गृह निर्माण सहकारी संस्था तर्फे विजय कुमार पिता मोहनलाल लुंकड पर डायवर्सन राशि प्रकरण में संबंधित को कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद राशि जमा नहीं कराई गई। इसके फलस्वरूप राजस्व टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए स्नेह जी फार्म हाउस को सील किया गया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार संगीता और पूजा रघुवंशी, राजस्व निरीक्षक तेज सिंह एवं विशाल शर्मा, पटवारी योगेश भार्गव, मोहित पांचाल, लोकेश बेतवा, यश तथा हरीश शर्मा उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय देयों का समय पर भुगतान नहीं करने पर इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एक लाख, एक्टिवा लेकर फरार, गिरफ्तार

इंदौर। अमानत में खयानत के मामले में तिलक नगर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए अपने ही मालिक के साथ धोखाधड़ी कर फरार हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 8 हजार रुपए का इनाम घोषित था, जिसे पुलिस ने नलखेड़ा से दबोच लिया। पुलिस के अनुसार फरियादी विकास अग्रवाल ने 2 मार्च को शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी दुकान पर काम करने वाला विवेक वर्मा उर्फ कृष्णा करीब 1.5 साल से उनके साथ कार्यरत था। 23 फरवरी को उसे एक व्यापारी से 1 लाख रुपए लेने भेजा गया था, लेकिन वह रकम और ऑफिस के जरूरी दस्तावेजों के साथ काले रंग की एक्टिवा लेकर फरार हो गया। मामले में अपराध दर्ज कर पुलिस उपायुक्त के निर्देश पर टीम गठित की गई। लगातार तलाश के दौरान आरोपी के नलखेड़ा में होने की सूचना मिली,जिस पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी से नकद राशि और एक्टिवा वाहन बरामद कर लिया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गाइडलाइन विवाद पर केविएट दायर

इंदौर। अचल संपत्तियों के मूल्य निर्धारण से जुड़ी गाइडलाइन प्रक्रिया को लेकर संभावित कानूनी विवाद के बीच प्रशासन ने महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। वरिष्ठ जिला पंजीयक इंदौर ने बताया कि 'मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाया जाना और उनका पुनरीक्षण नियम 2018' के तहत प्रदेश के सभी जिलों में संपत्तियों के मूल्य निर्धारण को केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड से अनुमोदन मिल चुका है। हालांकि, इस प्रक्रिया के खिलाफ हाई कोर्ट इंदौर में याचिका दायर किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए महानिरीक्षक पंजीयन, भोपाल के निर्देश पर केविएट दायर कर सर्वसाधारण को सूचित किया गया है। जारी सूचना के अनुसार, कोई भी व्यक्ति या पक्ष याचिका दायर करने से पूर्व उसकी एक प्रति कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक एवं पंजीयन, अरेरा हिल्स भोपाल स्थित कार्यालय में सुनवाई की तिथि से पहले अनिवार्य रूप से प्रेषित करे। इससे संबंधित पक्षों को समय पर अपना पक्ष रखने का अवसर मिल सकेगा।

रिहेब सेंटर संचालक ने पड़ोसी को पीटा

इंदौर। लसूडिया इलाके में रिहेब सेंटर संचालक ने पड़ोसी दंपति के साथ मारपीट की। फोनिक्स टाउनशिप में रहने वाले दिनेश सिंह ठाकुर ने बताया कि उनके घर के पास ही प्रदीप मुखर्जी रिहैब सेंटर चलाता है, जहां से अक्सर विवाद की स्थिति बनती रहती है। कॉलोनी के लोग पहले भी उसकी गतिविधियों को लेकर शिकायत कर चुके हैं, जिससे वह नाराज था। बुधवार रात दिनेश जैसे ही घर से बाहर निकले, आरोपी ने उन्हें रोककर मारपीट की। जब उनकी पत्नी रानू बीच-बचाव करने आईं तो आरोपी ने उनके साथ भी हाथापाई की। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच करते हुए आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

1.2 किलो गांजा सहित तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। शहर में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पलासिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 1 किलो 211 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक स्कूटी भी जब्त की गई है। जब्त माल की कुल कीमत करीब 1.80 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस के अनुसार गीता भवन अस्पताल के सामने संदिग्ध गतिविधि के आधार पर युवक को रोका गया। पूछताछ में उसने अपना नाम राहुल यादव (24) निवासी गांधीनगर, रतलाम हाल मुकाम संत नगर, खंडवा नाका बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से अवैध गांजा बरामद हुआ। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर इंदौर में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 8/20 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुरेंद्र रघुवंशी सहित टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चलती गाड़ी में मोबाइल चलाया तो एक हजार रुपए का फाइन

ट्रैफिक पुलिस हुई सख्त, नियम पूरे शहर में लागू होगा

इंदौर। अब ड्राइविंग करते वक्त मोबाइल का इस्तेमाल करना महंगा पड़ सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे लापरवाह चालकों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। ऐसे वाहन चालकों के एक हजार रुपए का चालान काटे जाएंगे। डीसीपी (ट्रैफिक) राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, पिछले दो दिनों में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़े गए 80 लोगों के चालान काटे जा चुके हैं। फिलहाल संख्या कम है, लेकिन आने वाले समय में अभियान और तेज किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने साफ कर दिया है कि गाड़ी चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करने पर चालान किया जाएगा। यह नियम पूरे शहर में सख्ती से लागू रहेगा।

वजह बन रही लापरवाही- अधिकारियों का कहना है कि ड्राइविंग के दौरान मोबाइल देखने से ध्यान सड़क से हट जाता है, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए पुलिस सिर्फ चालान ही नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक भी कर रही है।

लॉरेंस गैंग पर सख्ती, वसूली की धमकियों की जांच अब एसआईटी को सौंप दी गई

प्रदेशभर के ऐसे मामलों के लिए एसआईटी गठित, डीजीपी का बड़ा फैसला

इंदौर। प्रदेश में संगठित अपराध के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए डीजीपी कैलाश मकवाना ने लॉरेंस गैंग और उसके सहयोगियों द्वारा दी जा रही वसूली की धमकियों के मामलों की जांच एसटीएफ को सौंप दी है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में करोड़ों रुपये की फिरौती मांगने और डराने-धमकाने की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए यह निर्णय लिया गया है। पुलिस मुख्यालय से जारी आदेश के अनुसार, इंदौर (शहर एवं देहात), अशोकनगर, खरगोन और भोपाल सहित कई जिलों में दर्ज आपराधिक प्रकरणों को एकीकृत कर विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। इन मामलों में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज हैं और इनका संबंध अंतर्राज्यीय संगठित गिरोह से पाया गया है।

वसूली गैंग पर शिकंजा

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लॉरेंस गैंग से जुड़े लोग 'हैरी बॉक्सर' के नाम से व्यापारियों और आम नागरिकों को कॉल कर करोड़ों रुपये की मांग कर रहे थे। इस तरह की घटनाओं से प्रदेश में भय का माहौल बन रहा था, जिसे खत्म करने के लिए यह सख्त कदम उठाया गया है। डीजीपी ने स्पष्ट किया है कि संगठित अपराध और वसूली गैंग के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। आम नागरिकों से अपील की गई है कि ऐसी किसी भी धमकी की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जा सके।

अनुभवियों को जिम्मेदारी

इस विशेष जांच दल में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को शामिल किया गया है, जिनके नेतृत्व में मामलों की गहन जांच होगी। टीम एसटीएफ मुख्यालय भोपाल में रहकर सभी केस डायरी प्राप्त कर विवेचना को आगे बढ़ाएगी।

रिजल्ट को लेकर परेशान छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

दसवीं का प्राइवेट फॉर्म भरा, नहीं थी पास होने संभावना

इंदौर। हाईस्कूल की छात्रा का प्रश्न पत्र बिगड़ गया था। इससे वह रिजल्ट को लेकर परेशान थी। इसी के चलते छात्रा ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना विजयनगर थाना क्षेत्र की है। मृत छात्रा का नाम पलक पिता जितेन्द्र कश्यप (17) साल निवासी प्रकाश चंद सेठी नगर है। परिजनों के अनुसार, 26 मार्च को उसने रात को परिवार के साथ खाना खाया था। उस समय किसी प्रकार के तनाव में नहीं थी। वह रोजाना सुबह 6 बजे उठ जाती थी। 27 मई को वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आई तो मां कविता उसे उठाने गई। काफी देर तक छात्रा ने दरवाजा नहीं खोला तो पति को जानकारी दी। पति ने पुलिस को सूचना दी और जैसे-तैसे दरवाजा खोला तो पलक फंदे पर लटकी मिली। मृत छात्रा के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पलक के पिता फेब्रिकेशन का काम करते हैं। परिवार में छोटा भाई वंश (11) है।

प्राइवेट फार्म भरा - पिता ने बताया कि पलक ने दसवीं का प्राइवेट फॉर्म भरा था। इस दौरान उसके कुछ विषयों के पेपर बिगड़ गए थे। इसी को लेकर वह परेशान रहती थी। हालांकि, उसे कई बार समझाइश भी दी गई है। छात्रा को डर था कि वह फेल हो जाएगी। पुलिस सुसाइड को पढ़ाई के तनाव के चलते ही देख रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क चौड़ीकरण पर चंदन नगर में विरोध, नोटिस से जन आक्रोश

मास्टर प्लान की सड़क के लिए मकानों पर खतरा मंडराया

इंदौर। नगर निगम द्वारा चंदन नगर क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के लिए जारी किए गए नोटिस ने स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। बड़ी संख्या में मकानों के प्रभावित होने की आशंका के चलते क्षेत्र के लोग एक बार फिर आंदोलन की राह पर बढ़ते नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, चंदन नगर से कॉलोनी नगर तक प्रस्तावित सड़क को राज्य सरकार ने मास्टर प्लान में शामिल कर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके बाद निगम ने सेंटर लाइन के आधार पर निशान लगाकर अब प्रभावित मकानों को नोटिस देना शुरू कर दिया है। इस परियोजना में कई मकान पूरी तरह और कई आंशिक रूप से सड़क में आने की जद में हैं। क्षेत्रीय पार्षद रफीक खान ने बताया कि पहले भी सड़क की चौड़ाई कम करने की मांग को लेकर नागरिकों ने आंदोलन किया था, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। अब दोबारा बैठक बुलाकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। रहवासियों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि क्षेत्र अवैध कॉलोनी होने के कारण अधिकांश लोगों के पास मकान के नक्शे, निर्माण अनुमति या रजिस्ट्री तक उपलब्ध नहीं है। ऐसे में नोटिस के बाद वे खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह सड़क महापौर की प्राथमिकता वाली परियोजना है और निगम अधिकारियों को इसकी दैनिक प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं नागरिकों का कहना है कि उनकी समस्याओं का समाधान किए बिना कार्रवाई अन्यायपूर्ण है।

शहर के निजी अस्पताल की सीटी स्कैन एवं सोनोग्राफी मशीन सील

अपंजीकृत चिकित्सकों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश

इंदौर। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी को लेकर जिला प्रशासन लगातार सख्त कदम उठा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक निजी अस्पताल की सीटी स्कैन एवं सोनोग्राफी मशीन को सील कर दिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि दयाल बाग कॉलोनी खंडवा रोड स्थित इंदौर ट्रामा सेंटर प्रायवेट लिमिटेड का टीम बनाकर निरीक्षण करवाया गया। जिसमें पाया गया कि अस्पताल में पाँच से अधिक अपंजीकृत चिकित्सक सोनोग्राफी/

ईको सम्बन्धी कार्य कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान एक सिटी स्कैन मशीन संचालित पायी गयी गयी, जो कि अपंजीकृत थी। निरीक्षण टीप के आधार पर सम्बन्धित अस्पताल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के निर्देशानुसार 26 मार्च 2026 को जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मला अखण्ड के साथ पीसीपीएनडीटी दल मौके पर भेजकर इंदौर ट्रामा सेंटर प्रायवेट लिमिटेड अस्पताल में स्थित सोनोग्राफी मशीन एवं सिटी स्कैन मशीन तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करते हुये सील बन्द की गई और पीसीपीएनडीटी प्रमाण पत्र नवीनीकरण पर रोक लगाई गई। टीम ने पंचनामा बनाकर कार्यवाही की गयी। कलेक्टर द्वारा समस्त अपंजीकृत चिकित्सक डॉ सुयश सक्सेना, डॉ शैलेन्द्र पटेल, डॉ राजेश करंजिया, डॉ रावेश गुर्जर, डॉ प्राची बाथम एवं अन्य को नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इंदौर को मिलेगा एयरपोर्ट जैसा रेलवे स्टेशन

इंदौर। शहर के रेलवे ढांचे को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए नए अत्याधुनिक रेलवे स्टेशन के निर्माण का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ कर दिया गया। सांसद शंकर लालवानी ने रेलवे अधिकारियों की मौजूदगी में फाउंडेशन रखकर निर्माण कार्य की शुरुआत कराई। करीब 465 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह रेलवे स्टेशन एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। यहां यात्रियों को आधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। परियोजना को अगले ढाई वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सांसद लालवानी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप स्टेशन को विकसित किया जा रहा है, जिससे इंदौर को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि यहां एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं, बेहतर यात्री अनुभव और स्मार्ट व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इस परियोजना के शुरू होने से शहर के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक रिश्वत लेते गिरफ्तार, लोकायुक्त की कार्रवाई

10 हजार की रिश्वत लेते भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में केस

इंदौर। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए लोकायुक्त इंदौर की टीम ने झाबुआ जिले में बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए जिला पंचायत के जिला कार्यक्रम प्रबंधक यश पंवार को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देश पर की गई। जानकारी के अनुसार,फरियादी मांजू सिंह परमार (32) निवासी ग्राम रूपाखेड़ा तहसील रानापुर जिला झाबुआ,जिला पंचायत में डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। 10 मार्च को उसकी सेवा समाप्त कर दी गई थी। पुनः ज्वाइनिंग दिलाने के बदले आरोपी यश पंवार ने 15 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। फरियादी ने इसकी शिकायत लोकायुक्त इंदौर में की। सत्यापन के बाद शिकायत सही पाए जाने पर टीम ने योजना बनाकर 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। कार्रवाई में कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक आनंद चौहान सहित लोकायुक्त टीम के सदस्य शामिल रहे।

अफवाहों से मची भगदड़, अब पटरी पर, पेट्रोल-डीजल की सप्लाई नार्मल

108 लाख लीटर की रिकॉर्ड खपत, डिपो में 45 दिन का स्टॉक

इंदौर। शहर में पेट्रोल-डीजल को लेकर फैली अफवाहों के बीच मची अफरा-तफरी अब धीरे-धीरे थमती नजर आ रही है। प्रशासन और खाद्य विभाग की सक्रियता के चलते आपूर्ति व्यवस्था तेजी से सामान्य हो रही है। बुधवार को ही करीब 30 लाख लीटर पेट्रोल और 34 लाख लीटर डीजल की रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई, जो सामान्य दिनों की तुलना में तीन से चार गुना अधिक है। जानकारी के अनुसार, महज 48 घंटे में इंदौर वासियों ने 108 लाख लीटर पेट्रोल-डीजल अपने वाहनों में भरवा लिया, जिससे शहर के अधिकांश पेट्रोल पम्पों पर लंबी कतारें देखी गईं। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मांगलिया स्थित डिपो में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जो करीब 45 दिनों तक निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कर सकता है। बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक 200 से अधिक टैंकर डिपो से विभिन्न पेट्रोल पम्पों के लिए रवाना किए गए। वहीं गुरुवार सुबह भी 73 टैंकरों को शहर के अलग-अलग पम्पों पर भेजा गया,ताकि किसी प्रकार की कमी न हो। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और

जरूरत के अनुसार ही ईंधन भरवाएं। लगातार निगरानी के चलते अब हालात नियंत्रण में हैं और जल्द ही पूरी तरह सामान्य स्थिति बहाल होने की उम्मीद।

नागरिकों से अपील

जिले में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और सुचारू बनी हुई है। कलेक्टर के निर्देश पर सुबह 6 बजे से मांगलिया स्थित एचपीसीएल, भारत पेट्रोलियम एवं इंडियन ऑयल के डिपो पर टैंकरों में ईंधन भरने का कार्य तेज गति से प्रारंभ कर दिया गया। जानकारी के अनुसार सुबह 9 बजे तक मांगलिया डिपो से हिंदुस्तान पेट्रोलियम की 24 टैंकर लोरियां, भारत पेट्रोलियम की 34 तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की 15 टैंकर लोरियां कुल 73 टैंकर लॉरी विभिन्न पेट्रोल पंपों के लिए रवाना हो चुकी हैं। डिपो पर पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध है और पूरी क्षमता के साथ टैंकरों को भरा जा रहा है।

पेट्रोल पंपों का निरीक्षण

जिला प्रशासन की टीम सुबह 5 बजे से ही सक्रिय होकर मांगलिया डिपो तथा फील्ड के पेट्रोल पंपों का सतत निरीक्षण कर रही है, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन द्वारा सभी संचालकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वह अपना इंडेंट लगाने की अग्रिम कार्रवाई करेंगे और किसी प्रकार से पेट्रोल पंप ड्राइ ना रहे इसकी समुचित तैयारी सेल्स ऑफिसर तेल कंपनियों एवं पंप संचालक करना सुनिश्चित करेंगे।

केन, बोतल में नहीं मिलेगा – जिला प्रशासन द्वारा यह भी सख्त निर्देश सभी पंप संचालक को और ऑयल कंपनी के सेल्स ऑफिसर को दिए गए हैं कि किसी प्रकार से पेट्रोल डीजल केन बोतल आदि में नहीं देंगे, ऐसा करने वाले संचालक और उनके कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल-डीजल प्राप्त करें। जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति पूरी तरह व्यवस्थित रूप से जारी है।

संपादकीय

जयशंकर की विवादित टिप्पणी

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा नई दिल्ली में 25 मार्च को सर्वदलीय बैठक में पाकिस्तान को निशाना साधते हुए की गई टिप्पणी कि 'भारत दलाल देश नहीं हो सकता' बेहद तल्ख और अनावश्यक थी। पश्चिम एशिया में युद्ध के चलते फैले विश्वव्यापी ऊर्जा संकट के संदर्भ में भारत की भूमिका से सभी राजनीतिक दलों को अवगत कराने के उद्देश्य से यह बैठक बुलाई गई थी। इसमें किसी ने उनसे यह पूछ लिया कि भारत की ईरान और अमेरिका दोनों से दोस्ती है, फिर पाकिस्तान को मध्यस्थ के रूप में अमेरिका ने क्यों चुना? इसके जवाब में डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि भारत वैश्विक संघर्षों में बिचौलिये की भूमिका निभाने वाला 'दलाल राष्ट्र' नहीं है, जैसा कि पाकिस्तान करता है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान 1981से बड़े देशों के बीच यह भूमिका निभाता आ रहा है। विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी स्वायत्तता और गरिमा से समझौता नहीं करेगा और ऐसी दलाली से दूर रहेगा। जयशंकर की टिप्पणी सीधे-सीधे युद्धरत देशों के बीच मध्यस्थता के प्रयासों की निंदा करती है। विदेश मंत्री के इस बयान की पाकिस्तान में तो चर्चा हो ही रही है, खुद भारत में भी उनकी इस भाषा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि क्या विदेश मंत्री को अपने पड़ोसी को लेकर, भले ही वह हमारा दुश्मन क्यों न हो, ऐसी भाषा का प्रयोग करना चाहिए? वो चाहते तो यह कहकर भी बात टाल सकते थे कि अमेरिका जिसे चाहे अपना मध्य स्थ या डाकिया बना सकता है। हमे इससे क्या लेना देना। हम अपनी भूमिका पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। लेकिन जयशंकर ने ऐसा करने की जगह बहुत कड़वी टिप्पणी की, जिसमें शालीनता के बजाए बहुत तल्खी और परोक्ष रूप से इस वैश्विक संकट भारत की असहायता और चिढ़ ज्यादा नजर आती है। कारण साफ है कि पिछले दो सालों से अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की विदेश नीति की कामयाबी को लेकर विपक्ष कई तरह के सवाल उठाता रहा है। अभी तक यह समझ नहीं आ रहा है कि आखिर तमाम वैश्विक मुद्दों पर भारत की विदेश नीति आखिर है क्या? कहा जा रहा है कि भारत की विदेश नीति का आधार अब 'इंडिया फर्स्ट' है। लेकिन हकीकत में वैसा ज्यादा नजर तमाम चीजें हमारी दमदार नीति से ज्यादा दूसरों की मेहरबानी से तय होती ज्यादा दिख रही हैं। वैश्विक मंच पर हमे जो भी भाव मिल रहा है, उसकी असली वजह केवल भारत का विशाल बाजार होना। हालांकि इस मामले में विपक्ष की सोच भी अतिरंजित ज्यादा है। पश्चिम एशिया संकट में पाकिस्तान कोई मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा रहा है। वह केवल इधर का संदेश उधर पहुंचाने का काम कर रहा है। यही काम तुर्किए और मिस्र भी कर रहे हैं। तो क्या विपक्ष भारत सरकार से भी यही उम्मीद लगाए बैठा है? यह भी साफ हो चुका है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के जिस पोस्ट को रिपोस्ट किया, वह अमेरिका ने ही चलवाई थी। लेकिन उसका भी कोई फायदा नहीं हुआ, क्योंकि ईरान ने उसे तवज्जो देने से इंकार कर दिया। दरअसल ईरान अमेरिका युद्ध में अब ईरान ने बाजी पलट दी है। उसने दुनिया भर की ऊर्जा नस इस तरह दबा दी है कि अमेरिका को भी समझ नहीं आ रहा कि वह क्या करे। कैसे इस संकट से विश्व के देशों से उबारे? दूसरे जिस तरह पाक नेतृत्व जिस तरह अमेरिका के आगे नतमस्तक है, उसकी खुद पाकिस्तान में आलोचना हो रही है। क्योंकि इस आपदा में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपनी निजी फायदा देख रहे हैं।

इच्छा मृत्यु की जीत से उपजे सवाल

बहुत पहले की बात है मेरे नाना जी के पिताश्री 140 वर्ष के हो गए थे। तीन पेंशन उन्हें मिलती थी। हर महीने आईबी के लोग यह पता करने आते थे कि यह पेंशन कोई और तो नहीं ले रहा है। लेकिन हर महीने वही ज़िंदा मिल जाते थे तो जांच अधिकारी कुछ भी कहे बगैर चले जाते थे। मेरे नानाजी की मृत्यु भी 115 वर्ष में हुई। उनके पिताजी की मृत्यु हो ही नहीं रही थी तो पण्डितों से पूछा गया कि उनकी मृत्यु कैसे होगी। शरीर बूढ़ी और कमजोर हो गई थी लेकिन मृत्यु नहीं हो रही थी। मुझे बताया गया कि पंडितों ने कहा कि इनकी मृत्यु यहां है ही नहीं। यदि इन्हें ज़िंदा बनारस ले जाया जाए तो काशी में कुछ समय बाद इनकी मृत्यु हो सकती है। कहते हैं कि उन्हें जीते जी उत्सव के साथ गाजा बाजा के साथ हाथी का जुलूस के साथ ज़िंदा कफन सहित बड़ी तादात में लोग हज़ारों लोग काशी के लिए बिदा किए और वहां सवा महीने रहने के बाद उनकी मृत्यु हुई। अखबारों में उनकी मृत्यु के विषय में लिखा गया।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक एनएचआरसी (इंडिया) में स्पेशल मॉनिटर एवं और सीयूपी बठिंडा में चेयर प्रोफेसर हैं।

दिल्ली में 2014 से जीवन व मृत्यु की जंग लड़ रहे हरीश हार गए और इच्छा-मृत्यु जीत गई। इस जीत ने मानवाधिकार को हरा दिया। दुनिया के विभिन्न देशों में इच्छा-मृत्यु पर अलग-अलग बहस है। कई देश इसे मान्यता भी दिए हैं लेकिन भारत में इसकी स्वीकृति विशेष परिस्थिति में मिलती है। गीता के अनुसार, जातस्य ही ध्रुवो मृत्युः ध्रुव जन्म मृतस्य च। जिसका तात्पर्य है कि जन्म के बाद मृत्यु है, मृत्यु के बाद नया जन्म ध्रुव सत्य है। इसलिए जन्म और मृत्यु के सौंदर्य को भारतीय मानस उत्सव का स्वरूप प्रदान करता है। भारतीय मानस की कल्पना है कि जीवन आनंदमय है, और मृत्यु भी आनंदोत्सव के रूप में वरेण्य है। जैन, बौद्ध, हिन्दू और लगभग सभी धर्मों ने कुछ न कुछ इस प्रकार की चर्चा अपने धर्मशास्त्रों में की। किंतु फिर भी जन्म तो उत्सव के रूप में खूब स्वीकार्य रहा। मृत्यु शोक, जीवन-इच्छा से विरक्ति एवं अवसाद के रूप में ही ज्यादा समझी गई। अपनों को जाने का शोक, अपनों से विछुड़ने का शोक और फिर कभी न मिल पाने का शोक इतना जल्दी स्वीकार नहीं हो पाता और न ही इसे कोई उत्सव के रूप में मनाता है।

बहुत पहले की बात है मेरे नाना जी के पिताश्री 140 वर्ष के हो गए थे। तीन पेंशन उन्हें मिलती थी। हर महीने आईबी के लोग यह पता करने आते थे कि यह पेंशन कोई और तो नहीं ले रहा है। लेकिन हर महीने वही ज़िंदा मिल जाते थे तो जांच अधिकारी कुछ भी कहे बगैर चले जाते थे। मेरे नानाजी की मृत्यु भी 115 वर्ष में हुई। उनके पिताजी की मृत्यु हो ही नहीं रही थी तो पण्डितों से पूछा गया कि उनकी मृत्यु कैसे होगी। शरीर बूढ़ी और कमजोर हो गई थी लेकिन मृत्यु नहीं हो रही थी। मुझे बताया गया कि पंडितों ने कहा कि इनकी मृत्यु यहां है ही नहीं। यदि इन्हें ज़िंदा बनारस ले जाया जाए तो काशी में कुछ समय बाद इनकी मृत्यु हो सकती है। कहते हैं कि उन्हें जीते जी उत्सव के साथ गाजा बाजा के साथ हाथी का जुलूस के साथ ज़िंदा कफन सहित बड़ी तादात में लोग हज़ारों लोग काशी के लिए बिदा किए और वहां सवा महीने रहने के बाद उनकी मृत्यु हुई। अखबारों में उनकी मृत्यु के विषय में लिखा गया।

लोग कहते हैं कि मृत्यु आए, तो इतनी जल्दी से आ जाए। न आए, तो वर्षों की प्रतीक्षा। कौमा में पड़े व्यक्ति के जीवन का भी क्या? ज़िंदा लाश, जी भी रहा है तो उससे परिवार, सगे संबंधियों को केवल रोज मरना व जीना पड़ता है। अपनी सुध खोया हुआ, मृत-प्राय मनुष्य को तो कुछ पता भी नहीं होता। मृत्यु के नखरे के साथ जूझते लोग और उनके परिजन और डॉक्टर ऐसी स्थितियों में अनिर्णीत स्थितियों में जीने को विवश होते हैं। निर्णय क्षमता की परीक्षा बहुत ही कठोर होती है। ऐसी ही कुछ स्थितियां तेरह वर्ष से अधिक समय से कोमा में पड़े हरीश राणा और उसके परिवार व चिकित्सकों की थी।

अब हरीश नहीं हैं। प्रेक्षक यह स्वीकार कर रहे हैं कि परिजन व चिकित्सक को बहुत बड़ी राहत मिली है अब और सबसे अधिक राहत उस दिवंगत आत्मा को मिली होगी जो इतने लंबे समय से एक शरीर में कुछ कैद, कुछ उलझी हुई थी। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने भारतीय बहस, चिंतन के पुराने निर्णय को ही स्वीकार किया है। संविधान ने व्यावहारिक रूप से यह सुविधा अब दी है, जबकि शास्त्रों ने पहले से ही ऐसी स्वीकृति दी थी। जीवन की परीक्षा किसी शरीर के लिए नरक न बन जाए, और मृत्यु एक कहानी न बन जाए, इसके लिए भारत वर्ष में बहुत पहले से ही विचार होते रहे हैं। इच्छा-मृत्यु फिर भी सहजता से स्वीकारी नहीं जा सकती यह हरीश व उनके परिजनों का संघर्ष बताता है।

नीदरलैंड ने 2002 में सबसे पहले इच्छा-मृत्यु को मान्यता दी थी। विश्व का प्रथम ऐसा प्रावधान करने वाला नीदरलैंड दुनिया में नई बहस छेड़ दिया था। बेल्जियम में कुछ मानसिक अवसाद में जीने वाले लोग जब इच्छा मृत्यु मांगने लगे तो बेल्जियम ने भी प्रावधान कर दिया लेकिन उसकी शर्त यह थी कि हम इच्छा मृत्यु को लीगली प्राप्त करने के पक्ष में हैं लेकिन अगर इस तरह के गतिविधियों में यदि किसी की संलिप्तता पाई गई तो तीन साल तक कि सजा भी होगी। फिर ऐसी मान्यताएं ऑस्ट्रिया, कोलंबिया, स्विट्जरलैंड और दूसरे कई देशों में मिलीं। लक्जमबर्ग, अमेरिका व जर्मनी में भी ऐसी अनेक इच्छा मृत्यु के लिए कोशिशें अपनी कानूनी मान्यता प्राप्त कर लीं।

यह मान्यताएं भी तो पूरे विश्व में अपना असर दिखाने लगी हैं। भारी संख्या में विश्व भर में इच्छा-मृत्यु के लिए मिले आवेदन हैरान कर देने वाले हैं। अब दुनिया में अवसाद बढ़ रहे हैं। भूख और गरीबी भी है। शरणार्थियों के अपने घर नहीं हैं और न ही उनकी नागरिकता। ऐसे में वे भी अपने जीवन से तंग आकर यदि इच्छा मृत्यु की मांग करने लगे तो क्या होगा? भारत में जिन बुजुर्गों की सेवा करने वाले नहीं होते। जिन्हें अपने बच्चे किसी आश्रम में छोड़ जाते हैं या अपमानजनक स्थिति में पहुंचा देते हैं, उनके मन व मस्तिष्क में बरबस आता है ऐसा की हे भगवान! हमें उठा लो। सोचिए अगर वे अपने जीवन से मुक्ति की मांग आवेदन देकर करने लगेंगे तो क्या होगा?

भारत में सर्वोच्च न्यायालय ने जिस पैसिव यूथेनेसिया को मान्यता दी है उससे जीवन व मृत्यु से जूझते लोगों व उनके परिजनों को कितनी राहत मिली पता नहीं लेकिन भारत भी इसके लिए राजी हो ही गया और थोड़ा अलग तरह से राजी हुए।

माना कि यह वैज्ञानिक युग है। साइंटिफिक आविष्कारों ने जीवन को दीर्घजीवी बना दिया है। कृत्रिम ढंग से जीने की भी सुविधाएँ बढ़ती जा रही हैं। हमारा जीवन गरिमामय हो, अर्थपूर्ण हो। मृत्यु भी गरिमामय मनुष्य चाहता है लेकिन मृत्यु का पैमाना कहीं अनेक जीवन को खो देने से न निर्धारित होने लगे इसके लिए इच्छा मृत्यु पर खुली छूट भी तो नहीं दी जा सकती। हम जीवन से खेलने के आदी न हो जाएं इसके लिए भी यह छूट नहीं दी जा सकती। जैन धर्म में भी कुछ प्रथाओं पर इस वजह से प्रश्न खड़ा किया जाता रहा है। दूसरे धर्मों में भी ऐसी चीजें जो अपना आकार ले रही थीं, उस पर समय समय पर चिंता व्यक्त की जाती रही है।

अब जब हरीश राणा के बहाने इच्छा मृत्यु एक बार भारत में जीत गई है तो भारत को एक बार पुनः सोचना होगा कि कैसे हम आने वाले समय में ऐसे आवेदकों से निपटेंगे। यह सोचना होगा कि हम किस स्तर पर इच्छा मृत्यु को स्वीकृति दें। न्यायालय और सामाजिक न्याय के बीच जीवन व गरिमा का यह युद्ध अब नया रूप न ले ले और हम भारत के लोग कहीं लांक्षित न होने लगें इस पर भी विचार करना होगा। यह विचार भी ज़रूरी है कि मानवाधिकारों की बहस में इच्छा-मृत्यु कहीं

विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तंभकार एवं राजनीतिक विश्लेषक रांची, झारखंड

अक्षय ऊर्जा ही भविष्य की ऊर्जा हो सकती है

आज की सबसे बड़ी समस्याएं, जिससे सामान्यतः विश्व के सभी देश और लोग पीड़ित एवं प्रभावित हैं, वे हैं- प्रदूषण का दिनोंदिन बेकाबू होना, पृथ्वी पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का अभाव तथा उनकी उपलब्धता की तुलना में अपेक्षाकृत अधिकाधिक दोहन किया जाना इत्यादि। वैश्विक स्तर पर आज मनुष्य के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती भी यही है कि लगातार बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम कैसे की जाये, जो प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जानें लेने लगा है और लगातार घटते प्राकृतिक संसाधन, जिनके अभाव में तो आज सुखद जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। गौर करें तो इन दोनों ही समस्याओं का एक ही समाधान है- अक्षय ऊर्जा का उपयोग एवं कार्यान्वयन। अक्षय ऊर्जा यानी ऊर्जा का ऐसा स्रोत, जिसका कभी क्षय नहीं हो सके। अक्षय ऊर्जा का एक नाम स्वच्छ ऊर्जा भी है, जिसका तात्पर्य ऐसी ऊर्जा से है, जो वातावरण की स्वच्छता को न केवल यथावत् बनाये रखने में सहयोगी हो, बल्कि आज की वैश्विक पर्यावरणीय चिंताओं से मुक्ति दिलाने में भी सहायक बने, ताकि 'जलवायु परिवर्तन' (ग्लोबल वार्मिंग) की विकराल होती समस्या से राहत मिल सके। वैसे, सच कहा जाए तो आज के दौर में यदि किसी भी राष्ट्र को सर्वांगीण रूप में विकसित बनाना हो तो उसे प्रदूषण रहित अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों का उपयोग करना ही पड़ेगा, लेकिन शर्त यह है कि उनका उपयोग समुचित रूप में हो।

दरअसल, पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत संसाधन यथा- कोयला, पेट्रोलियम और कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, लकड़ी, बायोमास इत्यादि सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, जबकि सदियों से इनका अंधाधुंध दोहन जारी है। उदाहरण के लिए, भारत समेत विश्व भर के सारे देश बिजली जैसी ऊर्जा की बुनियादी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरे करने के लिए अपने-अपने सीमित परम्परागत संसाधनों पर निर्भर हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरणीय चुनौतियों यथा- पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर समस्याएं भी आज के मानव समुदाय के समक्ष खड़ी हैं। ऐसे में, यदि ऊर्जा के इन परम्परागत संसाधनों का समुचित उपयोग नहीं किया गया और इनका इसी प्रकार लगातार दोहन किया जाता रहा तो ऐसी संभावना है कि निकट भविष्य में ऊर्जा के ये संसाधन समाप्त हो जायेंगे और दुनिया भर में ऊर्जा का गंभीर संकट उत्पन्न हो जायेगा।

ऊर्जा के आसन्न संकट की भयावहता को समझते हुए आज के दूरदर्शी समाज ने विश्व भर में ऊर्जा के गैर परम्परागत स्रोतों के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की, जिसके उपरांत वैश्विक स्तर पर मनुष्य ने ऊर्जा के अक्षय स्रोतों से ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास शुरू किया। वहीं, भारत में भी ऊर्जा के अक्षय स्रोतों के विकास और उनके उपयोग को लेकर जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सन् 2004 से प्रतिवर्ष नियमित रूप से 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' मनाया जाने लगा।

अक्षय ऊर्जा के उपयोग से लाभ-ही-लाभ- अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए उचित समय पर समुचित पहल किये जाने और देशों एवं राज्यों की सरकारों द्वारा समझदारी से उसमें निवेश करने से होने वाले संभावित लाभों का पता लगाने के उद्देश्य से वर्ष 2025 के मध्य में वैश्विक स्तर पर कराये गये एक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में अक्षय ऊर्जा के व्यापक उपयोग को सुनिश्चित करने के अनेक लाभ बताये गये हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा से जुड़े लक्ष्यों को समुचित ढंग से नीति बनाकर उसे निवेश के साथ जोड़ा जाये तो इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूती तो मिलेगी ही, साथ ही, पर्यावरणीय चुनौतियों से भी बहुत हद तक मुक्ति मिलेगी। इतना ही नहीं, अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में नीतिगत निवेश को बढ़ावा देकर दुनिया भर के करोड़ों लोगों के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

कुपोषण से करोड़ों मुक्त होंगे- उपर्युक्त रिपोर्ट के अनुसार, प्रथम 'वैश्विक ऊर्जा समीक्षा' के सुझावों को मानकर 19.3 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया जा सकता है। तात्पर्य यह कि ऐसा करके 14.2 करोड़ लोगों को भरपेट भोजन देकर कुपोषण के गर्त से बाहर निकाला जा सकेगा। इनके अतिरिक्त, 55 करोड़ लोगों को पीने का साफ पानी और स्वच्छ वातावरण जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकेंगी।

भारत की बड़ी उपलब्धि- भारत की बात करें तो पेरिस जलवायु समझौते में भारत की ओर से 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का जो लक्ष्य रखा गया था, निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले ही उसका आधा पूरा कर लिया गया है। स्पष्ट है कि अपनी जिम्मेदारी समझते हुए अपने संकल्पों की सिद्धि के लिए भारत ने सुधारात्मक नीतियों, समयबद्ध कार्य योजनाओं एवं जन भागीदारी के माध्यम से यह शानदार उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि दुनिया के अन्य विकसित एवं विकासशील देशों के लिए एक अनुपम उदाहरण है, जो न केवल भारत की ऊर्जा नीति की दिशा में किये गये महत्वपूर्ण प्रयासों का द्योतक है, बल्कि जलवायु संबंधी अत्यंत गंभीर चुनौतियों से निपटने के वैश्विक प्रयासों में देश की महत्वपूर्ण भूमिका को भी प्रदर्शित करती है।

उत्तर प्रदेश की सराहनीय भूमिका- प्रसन्नता की बात है कि हमारा देश अक्षय ऊर्जा, विशेष रूप से सौर ऊर्जा के उत्पादन में नित्य-निरंतर विकास करता हुआ आज विश्व भर में तीसरे पायंदान पर पहुंच चुका है। आंकड़ों के अनुसार, भारत में सौर ऊर्जा का उत्पादन आज 125 गीगावॉट तक किया जा रहा है। वैसे, खुशी की बात यह भी है कि सौर ऊर्जा के उत्पादन में उत्तर प्रदेश भी तीव्रता से और लगातार आगे बढ़ता हुआ महाराष्ट्र और गुजरात के बाद देश में तीसरे स्थान पर स्थापित हो चुका है। हालांकि, अन्य जिलों में भी लोग छतों पर सोलर संयंत्र को लगवाने की पहल कर रहे हैं। देखा जाये तो निःशुल्क बिजली का लाभ मिलना तो उपभोक्ताओं के लिए सोलर संयंत्र लगवाने का एक बड़ा कारण है ही, परंतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस योजना के प्रति लगन एवं सक्रियता इसका सबसे बड़ा कारण बतायी जाती है, जिससे प्रेरित और प्रभावित होकर राज्य के उपभोक्ता अपने छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए लगातार आवेदन कर रहे हैं।

अक्षय ऊर्जा ही है भविष्य- इस प्रकार देखा जाए तो, दुनिया के सुनहरे भविष्य तथा संपूर्ण जीव जगत के कल्याण लिए ऊर्जा के गैर परम्परागत स्रोत अथवा अक्षय ऊर्जा ही एकमात्र सक्षम उपाय है। इसे अपनाकर हम इस ब्रह्माण्ड को जीवों के सुखद रहवास के योग्य बना सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाये तो अक्षय ऊर्जा ही भविष्य की ऊर्जा हो सकती है और इसे अपनाने वाले देशों एवं लोगों का ही भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि यथास्थितिवाद एवं लापरवाही को त्यागकर दुनिया के अन्य देश भी अक्षय ऊर्जा का तीव्रता से विस्तार करें, प्रणाली में निवेश को प्रोत्साहन दें एवं सतत विकास के लक्ष्यों के अनुरूप ऊर्जा नीतियां बनायें और उन्हें अपनायें भी। अन्यथा आज ही की तरह आने वाले दशकों में भी वे अपनी 70 प्रतिशत ऊर्जा सम्बन्धी आवश्यकताओं के लिए कोयला, पेट्रोलियम और कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, लकड़ी, बायोमास इत्यादि जैसे पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर रहने के कारण पृथ्वी के तापमान में 2.6 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। बता दें कि तापमान में इस संभावित वृद्धि का सीधा प्रभाव मनुष्य के स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, पोषण, स्वच्छता, बिजली, पानी आदि पर पड़ेगा और करोड़ों लोग गरीबी के चीकट अंधेरे में समा जायेंगे।

(इतिश्री)

जीवन एक उत्सव है तो वन महोत्सव है!

दृष्टिकोण

अनिल त्रिवेदी

लेखक अधिवक्ता हैं।

वन और जीवन हमारी धरती का कभी न खत्म होने वाला या अंतहीन प्राकृतिक गति विधियों का जीवंत सिलसिला है। यदि धरती पर हम जीवन को उत्सव माने तो धरती पर हर कहीं फैले वनों को जीवन का अनन्त महोत्सव कह सकते हैं। मनुष्य का यह मूल स्वभाव है कि वह शांत या गतिविधि विहीन जीवन नहीं बिता सकता। कविवर भवानी प्रसाद मिश्र की सुप्रसिद्ध एवं कालजयी कविता 'सतपुड़ा के घने जंगल नींद में डूबे जंगल, अनमनाते घने जंगल, जितना चाहो धंसो इनमें'। जैसे मनुष्य के चिन्तन मनन और सृजन की कोई सीमा नहीं है वैसे ही वन में निरंतर घट रही उत्सव परंपरा का कोई अंत नहीं है। मनुष्य तो जीवन भर नाना प्रयास, प्रयोग और प्रयत्न करके उत्सव मनाने का जतन करता रहता हैं और खुद ही खुद की पीठ थपथपाता रहता है। पर वन अपने आपमें मगन रहकर चुपचाप अपने अंदर जिस तरह अनंत गतिविधियों को अपने आप होने देता है उसे देख समझकर तो लगता है कि वन तो अपने आप में घटित होने वाला शांत पर अंतहीन महोत्सव है।वन अकेला झाड़ झंकाड का बेतरतीब सिलसिला नहीं प्राकृतिक जीवन की अनन्त समय से निरंतर जारी प्रक्रियाओं का प्राकृतिक अजायब घर है। वन बिना मास्टर प्लान के प्राकृतिक तंत्र का ऐसा प्राकृतिक समागम है जो अपने रूप स्वरूप को अपनी तरह से निरंतर इस तरह बदलता रहता है कि मनुष्य आजीवन वनों में होने वाले प्राकृतिक बदलाव को देखते देखते अपने आप को सदैव आनन्द के महासागर में डूबा हुआ महसूस करता है ।कभी भी जंगल से ऊबता नहीं घबराता नहीं बल्कि ऊब से मानव मन को उबारता है। धरती पर वनों की उपस्थिति ने मनुष्य को अपने आप के अकेलेपन से उबारा है।

वन में निराशा नहीं है सब के लिए आशा की किरण और जीवन का अनन्त उत्साह हर समय मौजूद हैं।वन में चीटी से लेकर कीट, पतंगों से लेकर हाथी जैसे विशालकाय जीव को भी अपने तरीके से जीवन जीने और जीते रहने की प्राकृतिक व्यवस्था अपने आप हैं।वन में आग भी है तो वन अपने आप में प्राकृतिक रूप से लगा बिना माली और फेन्सिग का बाग भी है।वन को इस बात की चिंता नहीं होती कि इसमें कोई घुस जावेगा या इसे कोई काट लेगा। वन का जीवन ही सभी को अपने अंदर प्राकृतिक रूप से जीवन का आनंद आजीवन लेने वाले को आत्मर्पित है। जंगल या वन प्रातंर अनन्त फल फूल और गतिविधियों का ऐसा खुला प्रांगण है जिसमें नित नया महोत्सव अपने आप में घटित होता रहता है।वन धरती का एक ऐसा अनोखा प्रवाह है जो खुद तो ध्यानस्थ दिखाई देता है पर समूचे वन क्षेत्र में जीवन के अनन्त रुपाकार अपने आप जंगल के कोने कोने में बनते बिगड़ते और जन्मते और अपने आप में विलीन होते हैं। जंगल ही हमें सीखाता है कि जीवन चाहे जीव का हो या वनस्पति का अपने आप में जन्म और विलीन होने का अंतहीन जीवन्त सिलसिला है। वन जीवन की प्राकृतिक कृति है। असंख्य जीव या वनस्पतियों का अनन्त महाकुंभ है वन। हमारे जीवन में समाहित वनों का विराट स्वरूप आम मनुष्य की तरह न तो चिन्तित होता है और न हीं कोई योजना बनाता है फिर भी प्राकृतिक रूप से इस धरती पर जल, जंगल और जमीन के प्राकृतिक स्वरूप को बनाने और क़ायम रखने वाला ऐसा महोत्सव है जिसने जीवन के महासागर को अपने अंदर समाहित कर एक ऐसे अनोखे महोत्सव को प्रारंभ किया है जिसके प्राकृतिक आनन्द को लेने की केवल मनुष्य ही नहीं हर जीव और वनस्पति को खुली आजादी है।हम यह भी कह सकते हैं जीवन जीने की अंतहीन आजादी का नाम है वनों में हर क्षण घटने वाला वन महोत्सव जिसका न कोई आयोजक हैं और न जिसका कभी समापन किया जा सकता है।वन अपने आप में हमारी धरती का अंतहीन प्राकृतिक महोत्सव ही तो है।वन ही जीवन है और जीवन ही वन है। हमारे अपने रूप रंग के भेद से जीवन का स्वरूप और स्वभाव नहीं परिवर्तित होता यही प्रकृति का अमर संदेश हैं। जैसे महासागर में लहरें कभी थमती नहीं वैसे ही वनों में जीवन का अंतहीन महोत्सव थमता नहीं है। युद्ध हो या शांति,दिन हो या रात वन में जीवन का सृजन कभी खत्म नहीं होता है। तभी तो हमारी धरती पर वन है तो जीवन है और जीवन है तो वनों का नित्य नूतन सृजन का अनोखा प्राकृतिक सिलसिला हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.- 453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुदर्शन कुमार सोनी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

पीस और वार: डोनाल्ड ट्रम्प का महाकाव्य

डोनाल्ड ट्रम्प एक ऐसे महाकाव्य की रचना में लगे हैं, जो शब्दों से नहीं, सौदों, धमकियों और उलटबांसियों से लिखा जा रहा है। जहाँ लियो टाल्सटॉय ने 'युद्ध और शांति' को संतुलन में देखा, वहाँ ट्रम्प ने इसे उलटकर 'शांति में युद्ध' और 'युद्ध में शांति' का नया व्याकरण गढ़ दिया है। उनसे सीधापन अपेक्षित करना वैसा ही है जैसे तूफ़ान से स्थिरता की उम्मीद करना।

उनके हाथ में शांति और वार की दोधारी तलवार रहती है। जैसे ही शांति की धार कुंद पड़ती है, वार की धार चमक उठती है; और यदि वार पर सवाल उठे, तो वे शांति की ढाल आगे कर देते हैं। उनकी जिह्वा भी किसी दोधारी तलवार से कम नहीं–हर कथन में धमकी की चमक और सौदे की खनक सुनाई देती है।

ट्रम्प की शांति बारूद के ड्रम पर बजता ढोल है। उनके लिए युद्ध उत्पाद है, शांति उसकी पैकेजिंग। उनके हर समझौते के पीछे एक अदृश्य बिल बनता है, जिसमें 'मिसाइल आपूर्ति शुल्क सम्मिलित' लिखा होता है। वे कहते हैं–'मैं दुनिया में शांति लाना चाहता हूँ,' और दुनिया पूछती है–'इस शांति की कीमत कौन चुकाएगा?' जवाब अक्सर किसी और की जेब से निकलता है।

उनकी भाषा में शांति भी बाजार की वस्तु है–'बड़ी डील, बड़ा लाभ, बाकी सब भावनाएँ।' उनके 'शांति योजना' में इंसानियत की कीमत गिरती है और हथियारों की बढ़ती है। वे युद्ध को खेल की तरह लेते हैं–जहाँ डूबते जहाज़ भी मनोरंजन का हिस्सा बन जाते हैं।

उनकी नीतियों का विरोधाभास ही उनकी पहचान है। कभी किसी नेता को महान बताते हैं, तो अगले ही क्षण उसके अस्तित्व पर प्रश्न उठा देते हैं या असितत्व की मिटवा देते हैं। वार्ता के दौरान हमले तेज़ हो जाते हैं, और शांति के मंच पर खड़े होकर युद्ध की तैयारी चलती रहती है। गाज़ा हो या ईरान–हर जगह शांति के नाम पर सौदे और सौदों के बीच तनाव की आँच दिखाई देती है।

उनकी रणनीति सरल है–पहले आग लगाओ, फिर बुझाने का यंत्र बेचो। उनका हर समाधान हथियारों की प्रयोगशाला से होकर गुजरता है। उनकी शांति इतनी बारूदी है कि हर मुस्कान के पीछे चिंगारी छिपी रहती है। उनकी घोषणाएँ धुएँ के बादलों के बीच गूंजती हैं और शांति का चेहरा बारूद से ढका रहता है।

दुनिया जब पूछती है–'यह कैसी शांति है जिसमें मौत बढ़ रही है?'–तो उत्तर मिलता है–'चिंता मत करो, यह समझौते का हिस्सा है।' उनके लिए हर युद्ध एक डील है और हर डील एक अवसर।

नोबेल शांति पुरस्कार की उनकी आकांक्षा भी इसी खेल का हिस्सा है। उन्हें लगता है कि शांति समझौते करके पुरस्कार पाया जा सकता है, भले ही वे समझौते नए संघर्षों की भूमिका क्यों न लिखते हों। उनकी बेचैनी यह नहीं कि शांति स्थापित हो, बल्कि यह कि उसका श्रेय और लाभ किसे मिले। यदि उनको नोबल शांति पुरस्कार दे दिया गया होता तो दुनिया उनके शांति के नाम पर बारूदी व युद्धक समझौतो से निजात पा जाती !

आलोचकों को उनकी मजबूरी भी समझनी चाहिए–उनकी दुनिया में हथियार उद्योग का पहिया चलता रहना चाहिए। यदि युद्ध रुक गया, तो यह उद्योग ठहर जाएगा। इसलिए शांति भी ऐसी होनी चाहिए जो युद्ध की संभावना को जीवित रखे।

यह वही शांति का मॉडल है जिसमें 'मदर टेरेसा' की करुणा का चेहरा दिखाया जाता है, लेकिन प्रतिनिधिमंडल में कमसकम पचास प्रतिशत हथियारों के सौदागर शामिल होते हैं। यदि आप शांति चाहते हैं, तो युद्ध के लिए तैयार रहें–इस सिद्धांत को उन्होंने व्यापार में बदल दिया है। वे हथियारों को शांति की पैकेजिंग में बेचते हैं, और हर समझौता 'नए युद्ध' की प्रस्तावना बन जाता है।

ट्रम्प के लिए युद्ध रणनीति है, शांति ब्रांडिंग। उनके भाषणों में प्रेम और प्रक्षेपास्त्र साथ-साथ चलते हैं। शांति का प्रस्ताव बम के नमूने के साथ प्रस्तुत होता है। उनकी योजनाओं में इंसानियत हाशिये पर लिखी जाती है।

दुनिया उन्हें शायद ऐसे शांति-दूत के रूप में याद रखेगी, जिसकी कॉरपोरेट शांति के कालीन के नीचे युद्ध की बारूदी सुरंगें बिछी थीं। और यह भी कि उनकी हर शांति वार्ता के बाद युद्ध और अधिक भड़क उठता था।

यायावरी

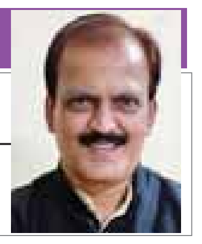

संजीव शर्मा

लेखक स्तंभकार हैं।

शेखचिल्ली: हास्य कथाओं का नायक या आध्यात्मिक गुरु..!!

एक कहानी में शेख चिल्ली को उसकी माँ दही बेचने बाज़ार भेजती है। रास्ते में दही का कटोरा सिर पर रखे चलते हुए वह सोचता है कि दही बिकेगा तो पैसे आएँगे, इन पैसों से मैं पहले बकरियाँ खरीदूँगा, फिर बकरियाँ बच्चे देंगी, बकरी का दूध बेचकर भेड़ खरीद लूंगा और फिर ऊन बेचूँगा। जब ज्यादा पैसा जमा हो जाएगा तो घोड़ा खरीद लूंगा और फिर घोड़े पर सवार होकर निकलूँगा तो राजकुमारी मुझ पर फिदा हो जाएगी और फिर हमारी शादी हो जाएगी। शादी के बाद बच्चे होंगे लेकिन यदि बच्चे शैतानी करेंगे तो मैं डाँटूंगा भी और मारूंगा भी... बस, फिर क्या था सोचते हुए शेखचिल्ली बच्चों को मारने लगता है और कटोरा गिर जाता है और सारा दही फैल जाता है । खाली हाथ घर लौटने पर माँ पूछती है कि दही कहाँ है? तो शेख चिल्ली जवाब देता है कि माँ, मेरे बच्चे शैतानी कर रहे थे एवं मैं उन्हें डाँट रहा था..।

जैसे ही कोई हमारे बीच लंबी चौड़ी हांकने की कोशिश करता है, तो हम तुरंत कह देते हैं न कि शेख चिल्ली मत बनो। आमतौर, शेख चिल्ली की छवि एक मजाकिया, भोले भाले, अनपढ़ और ख्यालीपुलाव पकाने वाले किरदार की है। शेखचिल्ली पर केंद्रित न जाने कितनी ऐसी कहानियां और मुहावरे प्रचलित हैं जिनमें उसे बढ़ चढ़कर सोचने वाला या ख्यालीपुलाव पकाने वाला बताया गया है।

एक कहानी में शेख चिल्ली को उसकी माँ दही बेचने बाज़ार भेजती है। रास्ते में दही का कटोरा सिर पर रखे चलते हुए वह सोचता है कि दही बिकेगा तो पैसे आएँगे, इन पैसों से मैं पहले बकरियाँ खरीदूँगा, फिर बकरियाँ बच्चे देंगी, बकरी का दूध बेचकर भेड़ खरीद लूंगा और फिर ऊन बेचूँगा। जब ज्यादा पैसा जमा हो जाएगा तो घोड़ा खरीद लूंगा और फिर घोड़े पर सवार होकर निकलूँगा तो राजकुमारी मुझ पर फिदा हो जाएगी और फिर हमारी शादी हो जाएगी। शादी के बाद बच्चे होंगे लेकिन यदि बच्चे शैतानी करेंगे तो मैं डाँटूंगा भी और मारूंगा भी... बस, फिर क्या था सोचते हुए शेखचिल्ली बच्चों को मारने लगता है और कटोरा गिर जाता है और सारा दही फैल जाता है । खाली हाथ घर लौटने पर माँ पूछती है कि दही कहाँ है? तो शेख चिल्ली जवाब देता है कि माँ, मेरे बच्चे शैतानी कर रहे थे एवं मैं उन्हें डाँट रहा था..।

इसी तरह, एक और कहानी आपने भी सुनी होगी कि एक बार किसी ने शेख चिल्ली को सलाह दी कि अमीर बनना है तो कोई व्यापार करो। सलाह मानकर शेख चिल्ली अपनी जमापूंजी से एक टोकरा अंडे लेकर बाजार चल पड़ता है। आदत के मुताबिक वह रास्ते में सोचने लगता है कि अंडे बेचूँगा और फिर मिले पैसों से मुर्गियाँ खरीदूँगा। मुर्गियाँ अंडे देंगी तो फिर और मुर्गियाँ खरीद लूंगा। लेकिन, मुर्गियां दड़बों से निकलकर भागने लगी तो मुझे ही पकड़ना पड़ेगा। वह अपनी कल्पना में इतना खोया रहता है कि ख्याली मुर्गियों को पकड़ने के लिए टोकरा सिर से नीचे पटक देता है और सारे अंडे टूट गए। पास से गुजर रहे लोग चिंता करते हुए कहते हैं कि शेख साहब, आपके सारे अंडे टूट गए तो शेख चिल्ली उत्तर देता है कि अरे कोई बात नहीं, मुर्गियाँ तो बच गई न।

शेखचिल्ली को लेकर ऐसे ही कई किस्से कहानियां जन मानस में प्रचलित हैं लेकिन हम आज एक और शेख चिल्ली की बात कर रहे हैं। जो स्वभाव में इस शेखचिल्ली से अलग हैं। क्या आप जानते हैं कि इसी नाम के एक सूफी संत भी हुए हैं और उनके मकबरे को आज 'कुरुक्षेत्र के ताजमहल' के रूप जाना जाता है। अब इन दोनों शेख चिल्ली के बीच कोई संबंध है या ये दोनों एक ही व्यक्ति हैं या अलग अलग...यह शोध का विषय हो सकता है। वैसे इनके बीच अंतर्संबंध तलाशने की जुगत में हमने गूगल गुरु और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भी मदद ली लेकिन वे भी कोई सीधा या कोई सॉलिड संबंध नहीं तलाश पाए ।

वैसे, स्थानीय तौर पर इन दोनों की कहानियां कहीं कहीं परस्पर जुड़ती और कहीं अलग नज़र आती हैं। जहां तक, सूफी संत शेख चिल्ली की बात है तो उनके बारे में जरूर कुछ आधिकारिक जानकारी मिलती है और वह भी सीधे भारतीय पुरातत्व विभाग से। कुरुक्षेत्र के थानेश्वर में सूफी संत शेख चिल्ली के मकबरे में लगे बोर्ड में बताया गया है कि यह सुन्दर मकबरा सूफी सन्त अब्द-उर-रहीम उर्फ अब्द-उर-करीम से सम्बन्धित है। जिन्हें शेख चिल्ली के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ये मुगल शहजादे दारा शिकोह (1650 ईस्वी) के धार्मिक गुरु थे।

आपको यह भी बता दें कि थानेसर वही स्थान है जहां महाभारत का युद्ध हुआ था। दरअसल, इसी शेखचिल्ली के मकबरे के परिसर में पुरातत्व संग्रहालय है और यहां दर्ज आधिकारिक जानकारी के मुताबिक पौराणिक मान्यता के अनुसार यह क्षेत्र महाभारत युद्ध का प्रमुख स्थल है। थानेसर (प्राचीन स्थाणेश्वर) एक महत्वपूर्ण

ऐतिहासिक नगर है, जो वर्धन या पुष्यभूति वंश के प्रमुख राजा हर्षवर्धन के राज्य की राजधानी थी, जिसने उत्तर भारत के अधिकांश भू-भाग पर 606-647 ईस्वी सदी के मध्य शासन किया था। संस्कृत कवि बाणभट्ट ने अपने ग्रन्थ 'हर्षचरित' में हर्षवर्धन एवं उसके थानेसर के साथ सम्बन्धों पर विस्तारपूर्वक विवरण दिया है। सन् 634 ई. में चीनी यात्री हेनसांग ने भी थानेसर की यात्रा की। उसने यहाँ अनेक हिन्दू मंदिरों तथा कई बौद्ध विहारों को देखा था। थानेसर एवं कुरूक्षेत्र का वर्णन अल्बरुनी द्वारा रचित 'किताब- उल-हिन्द' में भी मिलता है जो कि गजनी के सुल्तान महमूद के साथ भारत आया था और जिसने अक्टूबर 1014 ईस्वी में थानेसर पर आक्रमण किया। यहीं पर सन् 1759 ईस्वी में मराठा सैनिकों ने अफगानों के विरुद्ध कड़ा संघर्ष किया।

एक अष्टभुजी चबूतरे पर निर्मित यह मकबरा हल्के पीले बलुवे प्रस्तर से निर्मित है। जिसका प्रवेश दक्षिण की ओर से है तथा इसका नाशपातीनुमा गुम्बद सफेद संगमरमर से बना है। मकबरे के प्रत्येक प्रवेश द्वार में मेहराब बने हैं जो संगमरमर की जालियों से सुसज्जित हैं। छत के चारों दिशाओं में बाहर की ओर छतरियां बनी हैं जिनके गुम्बद पर हरे, नीले पीले एवं जामुनी रंग की चमकदार टाइल्स से निर्मित विभिन्न प्रकार की ज्यामितिय आकृतियां देखी जा सकती हैं।

सन्त शेखचिल्ली की समाधि भी अष्टभुजी कक्ष के मध्य निर्मित है, जबकि वास्तविक कब्र उसके ठीक नीचे के कक्ष में बनी है जिसका प्रवेश द्वार मदरसे के एक संकरे गलियारे से हो कर जाता है। छत के पश्चिमी भाग में बलुवा प्रस्तर से निर्मित एक अन्य मकबरा है जिसका बेलनाकार गुम्बद सफेद संगमरमर से सजा हुआ है। इसे शेख की पत्नी से सम्बन्धित माना जाता है। भू-सतह में मदरसे के प्रत्येक और नौ-नौ मेहराब बने हैं तथा दालान के मध्य एक वर्गाकार जलाशय निर्मित हैं।

मदरसे के बाहरी और दक्षिण-पश्चिम किनारे पर लाल बलुआ प्रस्तर से निर्मित 'पत्थर मस्जिद' हैं जिसकी छत चार अलंकृत स्तम्भों तथा छह अर्ध-स्तम्भों पर टिका है। वास्तु शिल्पीय विशेषताओं के आधार पर इस पत्थर मस्जिद को पूर्व तुगलक काल से सम्बन्धित माना गया है। ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण यह स्मारक भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्व का संरक्षित स्मारक घोषित किया गया है।

वैसे, सूफी संत शेख चिल्ली के बारे कहीं यह भी पढ़ने को मिला कि वे शायद बलूचिस्तान से भारत आए थे। खैर, शेख चिल्ली की हकीकत जो भी हो लेकिन मौजूदा सच्चाई यह है कि उनका मकबरा हरियाणा के कुरुक्षेत्र के थानेश्वर इलाके में है और यह मुगलकालीन वास्तुकला का नमूना है। इसे देखने के लिए भारतीय पर्यटकों को 20 रुपए और विदेशी नागरिकों को 250 रुपए प्रवेश शुल्क देना पड़ता है। बहरहाल, हो सकता है कि दोनों शेख चिल्ली एक ही हों लेकिन उनके विविध व्यक्तित्व उन्हें अलग अलग व्यक्ति बनाते हैं जैसे एक हंसोड़, मजाकिया और हास्य कथाओं का नायक है जबकि दूसरे आध्यात्मिक गुरु।

वक्रोक्ति

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

युद्ध, शेयर मार्केट और हमारा चिंटू

युद्ध में लोग मर रहे हैं, शहर तबाह हो रहे हैं । लेकिन जानों की कीमत से बाजार को क्या, शेयर्स की कीमत नहीं गिरना चाहिए। उधर मिसाइल चलती है और इधर शेयर फट्ट से गिर पड़ते हैं। दुखी मनीराम बोले.. शेयर बाजार बड़ा ही संवेदनशील है। जरा सी फाँ-फूँ या धाँ-धूँ से हिल जाता है। संवेदनशीलता कहीं की भी हो अच्छी नहीं होती है। हाँ, जहां भी संवेदनशीलता होती है पुलिस को गश्त लगाते रहना पड़ता है। दीनानाथ बोले। अरे हम शेयर मार्केट की बात कर रहे हैं।... आदमियों के लिए तो डॉक्टर है अस्पताल है। शेयरों के लिए कुछ भी नहीं है। पिछले कई महीनों से मार्केट उछल रहा था। युद्ध शुरू हुआ तो धड़ाम से गिर गया!!

जब से युद्ध शुरू हुआ है शेयर मार्केट जीवियों का दिल धकाधक हो रहा है। जो इस धंधे के कीड़े हैं वह भी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं । कीड़े चाहे राजनीति के हों चाहे धर्म के, वे मजबूत स्थिति में होते हैं। अपने मनीराम तिजोरी शेयर मार्केट में तितली या भौरे की हैसियत से हैं। मतलब जब भी कोई फूल खिला देखते हैं तो उसका रस चाट कर अलग हो जाते हैं । कहते हैं कि युद्ध के करण शेयर बाजार लगातार लुढ़क रहा है। मनीराम तिजोरी को यही चिंता खाए जा रही है कि बाजार लीधक रहा है। युद्ध में लोग मर रहे हैं, शहर तबाह हो रहे हैं । लेकिन जानों की कीमत से बाजार को क्या, शेयर्स की कीमत नहीं गिरना चाहिए। उधर मिसाइल चलती है और इधर शेयर फट्ट से गिर पड़ते हैं। दुखी मनीराम बोले.. शेयर बाजार बड़ा ही संवेदनशील है। जरा सी फाँ-फूँ या धाँ-धूँ से हिल जाता है। संवेदनशीलता कहीं की भी हो अच्छी नहीं होती है।

हाँ, जहां भी संवेदनशीलता होती है पुलिस को गश्त लगाते रहना पड़ता है। दीनानाथ बोले।

अरे हम शेयर मार्केट की बात कर रहे हैं।... आदमियों के लिए तो डॉक्टर है अस्पताल है। शेयरों के लिए कुछ भी नहीं है। पिछले कई महीनों से मार्केट उछल रहा था। युद्ध शुरू हुआ तो धड़ाम से गिर गया!!

यार उछल-कूद में थोड़ा बहुत गिरना पड़ना तो चलता है। हमारा चिंटू रोज गिरता पड़ता रहता है लेकिन उसकी उछल कूद बंद नहीं होती है। दीनानाथ फिर आउट ऑफ़ कोर्स बोले।

आप समझ नहीं रहे हैं दीनानाथ जी, चिंटू अपनी

मौज में उछलता है। शेयर बाजार बाहरी कारणों से उछलता और गिरता है। दोनों में अंतर है।

वही तो कह रहा हूं चिंटू आत्मनिर्भर है। मन हुआ तो उछल लिए नहीं हुआ तो नहीं उछले। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर होने के लिए कहा है, तो शेयर मार्केट को भी हो जाना चाहिए। हमारा चिंटू तो हो गया।

शेयर बाजार का मामला चिंटू से अलग है आप समझते क्यों नहीं। दुनिया में शांति हो तब शेयर मार्केट अच्छा चलता है वरना गिरने लगता है। कभी-कभी तो टूट कर बिखर जाता है। मनीराम बोले।

पिछली बार जब शांति थी तब तो आप कह रहे थे कि बाजार ठंडा है!! फ्रिज में रखा था क्या!

ऐसा नहीं है यार। शेयर मार्केट में बुल होते हैं। वे लोग बाजार को उठाते गिराते रहते हैं तो बाजार ठंडा गरम होने लगता है।

युद्ध काल में गिर जाता है!! शांति काल में ठंडा गर्म होता है!! यह कोई बुखार होगा इलाज कराओ इसका। हमारे चिंटू को बुखार होता है तो हम फौरन डाक्टर को दिखते हैं ।

शेयर बाजार का इलाज नहीं होता दादा दीनानाथ। यो समझिए कि इलाज आदमी का होता है थर्मामीटर का नहीं।

पहले बताना था कि शेयर मार्केट एक थर्मामीटर है। तो इस थर्मामीटर के लिए आप क्यों चिंतित होते रहते हो! मुझे लगता है कि आप ही बीमार हो। इलाज कराओ अपना जल्दी से।

छोड़िए दीनानाथ जी, शेयर मार्केट के बारे में आप कुछ समझ नहीं सकेंगे। आप सब्जी मार्केट देखते हैं और समझते हैं यही बहुत है।

अरे सब्जी मार्केट की अच्छी कही यार। वहां 'बुल' यानी सांड घुसता है तो लोग डंडा मार कर भगा देते हैं। सुना है शेयर मार्केट में बियर और पिग भी होते हैं! डंडा ले कर जय करो शेयर मार्केट में ।

अरे क्या बताएं आपको ! बुल, बीयर और पिग, यही सब लोग खेल करते हैं मार्केट में।

अभी तो आप कह रहे थे कि युद्ध के कारण मार्केट धंस गया है!!

धंसा नहीं है... गिरा है, लुढ़का है।

पहले तय कर लो कि गिरा है या लुढ़का है। हमारा चिंटू .... अब मुझे शुतुरमुर्ग हो जाना चाहिए। शेयर मार्केट में चतुर सियार खास मौकों पर शुतुरमुर्ग हो जाते हैं। मनीराम बोले।

सियार और शुतुरमुर्ग भी!!... मनीराम तुम शेयर मार्केट में काम करते हो या चिड़ियाघर में!

सामयिक

प्रो. अस्मिता सिंह

लेखक प्राध्यापक हैं।

ऊर्जा संकट के दौर में प्राकृतिक ऊर्जा का विकल्प

विश्व आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ ऊर्जा वैश्विक राजनीति का सबसे शक्तिशाली हथियार बन चुकी है। ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के हालिया घटनाक्रम में हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाने की आशंका ने वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों द्वारा इस स्थिति को 'आर्थिक आतंकवाद' तक करार दिया गया। इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को बाधित करने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति लगभग ठप हो गई और पूरी दुनिया अस्थिरता और अनिश्चितता के दौर में धकेल दी गई। इससे यह भी स्पष्ट हो गया है कि ऊर्जा पर अत्यधिक बाहरी निर्भरता किसी भी राष्ट्र की स्थिरता के लिए कितनी घातक हो सकती है।

भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करते हैं, इस संकट में सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। बढ़ती गैस सिलेंडर की कीमतें, कम आपूर्ति और लंबी कतारों में परेशान जनता, ईंधन महंगाई और उद्योगों पर पड़ता प्रभाव ये संकेत हैं कि हमारी ऊर्जा व्यवस्था कितनी अस्थिर और बाहरी कारकों पर निर्भर है। यह स्थिति गंभीर चेतावनी है जो हमारी कमजोर ऊर्जा नीतियों को उजागर कर रही है।

एक बार डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि 'कोई भी राष्ट्र गुणात्मक शक्ति स्रोत के बिना आधुनिक बनने की कल्पना नहीं कर सकता।' आज के बढ़ते वैश्विक ऊर्जा संकट के दौर में उनका यह कथन और भी अधिक सार्थक प्रतीत हो रहा है, मानो यह वर्तमान परिस्थितियों की सटीक व्याख्या कर रहा हो। वास्तविकता तो यह है कि जब तक भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए सीमित स्रोतों और बाहरी आयात पर निर्भर रहेगा, तब तक ऐसे संकट बार-बार हमारे सामने खड़े होते रहेंगे और हमारी विकास यात्रा को बाधित करते रहेंगे।

वर्तमान ऊर्जा संकट के इस कठिन दौर में भी उबरने की एक आशा दिखाई देती है, और वह निहित है भारत की अपनी सांस्कृतिक चेतना में। दरअसल भारत की एक अनोखी विशेषता यह रही है कि वह केवल समस्याओं से जूझने वाला देश नहीं, बल्कि समाधानों को जन्म देने वाली एक सृजनशील सभ्यता है। भारत की विविध संस्कृति और जीवन पद्धति स्वयं में ऊर्जा के अनेक रूपों को समाहित किए हुए है। यहाँ अलग-अलग भौगोलिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में ऊर्जा के पारंपरिक और स्थानीय मॉडल पहले से ही मौजूद रहे हैं। मध्यप्रदेश और राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में सूर्य की तीव्रता सौर ऊर्जा के लिए वरदान है, तो गुजरात और तमिलनाडु के तटीय इलाकों में पवन और ज्वारीय ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं। वहीं हिमालय क्षेत्र जलविद्युत के लिए प्राकृतिक रूप से उपयुक्त है। भूतापीय ऊर्जा के भी भारत में अनेक क्षेत्र है जिनका सही उपयोग करके भारत नवीकरणीय ऊर्जा में और अधिक आत्मनिर्भर बन सकता है। भारत की भौगोलिक विविधता स्वयं एक ऊर्जा मानचित्र प्रस्तुत करती है, जिसे समझकर और विकसित करके हम एक संतुलित ऊर्जा तंत्र स्थापित कर सकते हैं।

भारत की सांस्कृतिक विविधता भी ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार बन सकती है। पारंपरिक भारतीय जीवनशैली सदैव प्रकृति के साथ संतुलन पर आधारित रही है, जहाँ संसाधनों का

विवेकपूर्ण उपयोग किया जाता था। ग्रामीण और जनजातीय समाज में आज भी यह संतुलन देखे जा सकते हैं। जनजातीय क्षेत्रों में लोग जंगलों, जल स्रोतों और जैविक संसाधनों के साथ सह-अस्तित्व में रहते हुए ऊर्जा की अपनी आवश्यकताओं को सीमित और संतुलित रखते हैं। वे लकड़ी, गोबर, पत्तियों और अन्य जैविक पदार्थों का उपयोग करते हुए ईंधन और बायोगैस जैसी एक प्रकार की 'स्थानीय ऊर्जा अर्थव्यवस्था' विकसित करते हैं, जो आत्मनिर्भर और पर्यावरण-अनुकूल होती है।

चीन सौर ऊर्जा में दुनिया का अग्रणी देश है, जहाँ इसकी क्षमता 1000 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है और हाल के वर्षों में सबसे अधिक सोलर इंस्टॉलेशन भी वहीं हुआ है। बड़े सोलर पार्कों से लेकर रूफटॉप और औद्योगिक उपयोग तक, चीन ने सौर ऊर्जा को राष्ट्रीय ऊर्जा रणनीति बना लिया है। भारत में 300 से अधिक धूप वाले दिन सौर ऊर्जा को सबसे व्यवहारिक विकल्प बनाते हैं। हालाँकि अनेक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, फिर भी इसकी वास्तविक क्षमता तभी सामने आएगी जब इसका व्यापक विस्तार घरेलू और औद्योगिक स्तर पर भी सुनिश्चित किया जाए। सोलर प्रणालियों के माध्यम से एलपीजी जैसी आयातित ऊर्जा पर निर्भरता को सीधे कम करने के साथ-साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो सकता है।

एलपीजी पर निर्भरता को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक इंडक्शन चूल्हों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जो स्वच्छ, सुरक्षित और सौर ऊर्जा के साथ मिलकर पूरी तरह आत्मनिर्भर रसोई का आधार बन सकते हैं। वहीं परिवहन क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहन का बढ़ता उपयोग पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यदि इन वाहनों को सौर और पवन ऊर्जा से संचालित बिजली के माध्यम से चार्ज किया जाए, तो यह आर्थिक रूप से लाभकारी बनकर पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन लाएगा। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक का यह समन्वय व्यापक स्तर पर अपनाया जाए, तो यह एक सशक्त ऊर्जा मॉडल बन सकता है। ये सभी मिलकर एक विकेंद्रीकृत और आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था का निर्माण कर सकते हैं। यह मॉडल ऊर्जा उत्पादन के साथ ही रोजगार, पर्यावरण संतुलन और सतत विकास का आधार भी बनेगा।

भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति की है, परंतु इस प्रगति को जन-आंदोलन का रूप देना अभी बाकी है। जब तक हर गांव, हर शहर, हर समुदाय और हर व्यक्ति इस परिवर्तन का भागीदार नहीं बनेगा, तब तक ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य अधूरा रहेगा। इस दिशा में भारत की विविध संस्कृति एक प्रेरक शक्ति बन सकती है, क्योंकि यह संस्कृति हमें प्रकृति के साथ संतुलन का संदेश देती है।

बहरहाल, आज भारत की आम जनता जिस ऊर्जा संकट से जूझ रही है, उसमें वैश्विक संघर्षों का प्रभाव अब सीधे रसोई तक महसूस किया जा रहा है। हम एक स्थायी समाधान की ओर अग्रसर हों, जो केवल प्राकृतिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा के विकल्पों को अपनाने से ही संभव है। नए दृष्टिकोण हों जहाँ संतुलन आत्मनिर्भरता में समाहित है। भारत के पास प्रकृति की संपदा है और सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता भी। आवश्यकता इस बात की है कि हम इन दोनों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर एक ऐसा ऊर्जा मॉडल विकसित करें, जो वर्तमान संकट का समाधान दे और भविष्य को भी सुरक्षित बनाए। यही वह मार्ग है, जो भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा और उसे वैश्विक स्तर पर एक आदर्श के रूप में स्थापित करेगा।

माँ के आशीर्वाद से ही सभी कार्य सफल होते हैंः शुक्ल

रानी तालाब मंदिर परिसर में आयोजित माँ भगवती जागरण कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल । नवरात्रि के उपलक्ष्य में महाअष्टमी पर गत रात्रि रीवा के रानी तालाब मंदिर परिसर में विशाल माँ भगवती जागरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि माँ के आशीर्वाद से ही सभी कार्य सफल होते हैं। हम सभी पर माता का आशीर्वाद बना रहे और हमारा रीवा हर क्षेत्र में नित नई उपलब्धियाँ हासिल करता रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि माँ भगवती के जागरण से देवी माँ प्रसन्न होती हैं। प्रतिवर्ष यह आयोजन होता रहे और माता का आशीर्वाद हमको मिलता रहे। उन्होंने कहा कि इस समय मानवता संकट में है। इस संकट से सिर्फ माँ ही उबार सकती हैं। उन्होंने कहा कि माता के दरबार एवं रानी तालाब के चमकने के साथ ही रीवा भी चमकने लगा है। हम सब की प्रार्थना है कि माँ हमें आशीर्वाद देती रहें और रीवा की चमक बरकरार रहे। उप मुख्यमंत्री ने देवी जागरण में भजन की प्रस्तुति देने वाली गायिका यशस्वी की भावपूर्ण प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा का योगदान अविस्मरणीय रहेगा

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के जयंती समारोह एवं कृषक सम्मेलन में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सेमरिया क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा का स्वतंत्रता आंदोलन में दिया गया योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। ऐसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के बलिदान से प्रेरणा लेकर देश को आगे ले जाने में हम सभी को समवेत होना है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल रीवा के सेमरिया में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा के जयंती समारोह में आयोजित कृषक सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने मोलई कुशवाहा की मूर्ति के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आज सौभाग्यशाली दिन है, क्योंकि आज भगवान राम का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जा रहा है साथ ही इस क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री मोलई कुशवाहा की जयंती है और आज ही कृषक सम्मेलन में प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया जा रहा है। स्वयं को एवं अपनी धरती माता को स्वस्थ रखने के लिए प्राकृतिक खेती आवश्यक है। किसान भाईयों को चाहिए कि वह उपलब्ध जमीन में से कुछ हिस्से में प्राकृतिक खेती करें। मानवता को निरोगी रखने का सही साधन प्राकृतिक खेती ही है। उन्होंने कुशवाहा समाज के लोगों से आह्वान किया कि वह प्राकृतिक खेती को अपनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें क्योंकि उनका कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में अग्रणी स्थान है। रीवा जिले के निवासी प्राकृतिक खेती को अपनाने में आगे आ रहे हैं। गौ माता धरती में जीती जागती देवी की स्वरूप हैं। इनके गोबर और गौमूत्र का उपयोग भगवान के पूजन में किया जाता है। गौ माता के गोबर से निर्मित खाद और कीटनाशक प्राकृतिक खेती के लिए लाभकारी है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने के लिए सभी को संकल्पित होने का आह्वान किया। श्री शुक्ल ने चौराहे में सम्राट अशोक की मूर्ति स्थापना किए जाने की बात भी कही।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री केपी त्रिपाठी ने कहा कि आज का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रदेश में इस वर्ष कृषक कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। प्राकृतिक खेती का लाभ लेने और इसको बढ़ावा देने के लिए सेमरिया के लोग सबसे पहले आगे आए हैं। उन्होंने अन्य किसानों से भी इसे अपनाने का आह्वान किया। कोटा ग्राम में आयोजित कृषक सम्मेलन में स्थानीय जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

धार गायत्री शक्तिपीठ पर आज पंचकुंडीय यज्ञ और कन्या भोज के साथ सम्पन्न होगा चैत्र नवरात्रि उत्सव

धार। धार गायत्री शक्तिपीठ पर चैत्र नवरात्रि पर्व श्रृद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। नवरात्रि के अंतिम दिवस राम नवमी पर आयोजित यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भागीदारी कर गायत्री

महामंत्र के साथ आहुतियां दी। यज्ञ के पश्चात श्री राम जन्मोत्सव मनाया गया। धार गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि नवरात्रि उत्सव का समापन 28 मार्च शनिवार को पूर्णाहुति और कन्या भोज के साथ संपन्न होगा। शनिवार को प्रातः 9:30 बजे से पंचकुंडीय यज्ञ एवं संस्कार का क्रम प्रारंभ होंगा। यज्ञ की पूर्णाहूति के पश्चात 12 बजे से कन्या भोज और भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

रामनवमी की पूर्व संध्या पर

जय घोष करती निकाली भगवा वाहन रैली

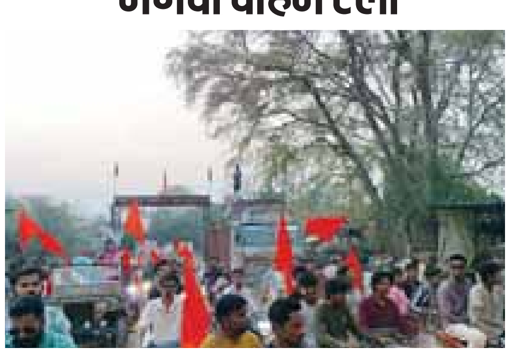

सोहागपुर। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में रामनवमी की पूर्व संध्या के अवसर पर विख्यात शिव पार्वती मंदिर परिसर से भगवा वाहन रैली निकाली गई। इस वाहन रैली में भारी संख्या में युवाओं ने उपस्थिति दर्ज कराई। भगवा वाहन रैली शंकर पार्वती मंदिर परिसर से होकर रामगंज तिराहा,पीपल चौक रामगंज रपटा, खेड़ापति मंदिर मातापुरा, दीवान मंदिर , बिहारी चौक, कन्या शाला पुराने थान,काली मंदिर, मुख्य बाजार का श्रीराम चौराहा पलकमती नदी पुल शास्त्री चौराहा, पेट्रोल पंप चौराहा कमानिया गेट, बिहारी चौक आदि से होकर पुनः शंकर पार्वती मंदिर परिसर में विसर्जित हुई। रैली में भारी जन-समुदाय ने श्रीराम के जय घोष से नगर को गुंजायमान कर दिया।

गांजा तस्करी का भंडाफोड़, 2 आरोपी गिरफ्तार

सोनाघाटी में चेकिंग के दौरान पकड़ी कार, 2.735 किलो गांजा जब्त

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 735 ग्राम गांजा और एक कार जब्त की गई है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार 26 मार्च को पुलिस चौकी सोनाघाटी क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध सफेद रंग की कार को रोकने पर चालक द्वारा

वाहन तेज गति से भगाने का प्रयास किया गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर वाहन को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें रखे एक बैग से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। विधिवत तलाशी एवं पंचनामा कार्यवाही के दौरान कुल 2 किलो 735 ग्राम गांजा (कीमती लगभग 27,000) बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी मुकेश पिता सेकलाल जावरकर, उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम कामिदा, थाना झल्लार एवं रामेश्वर पिता लालचंद विश्वकर्मा, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम कामिदा, थाना झल्लार के विरुद्ध थाना कोतवाली बैतूल में अपराध धारा 8/20 एनडीपीसी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त वाहन को भी जप्त किया गया है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक देवकरण डेहरिया, उप निरीक्षक उत्तमनंदन मस्तकार, उप निरीक्षक छत्रपाल धुर्वे, प्रधान आरक्षक दीवान सिंह, प्रधान आरक्षक शिवकुमार उइके, प्रधान आरक्षक तरुण पटेल, महिला प्रधान आरक्षक संध्या, आरक्षक अनिल बेलवंशी, आरक्षक अनिरुद्ध, आरक्षक नितिन की सराहनीय भूमिका रही।

अफवाह का असरः पेट्रोल पंपों पर उमड़ रही भीड़, कई जगह स्टॉक खत्म

बाइक-कार सहित वाहनों के टैंक फुल कराने से पैदा हो रहा क्राइसिस

बैतूल। अमेरिका- ईरान के बीच युद्ध लंबा खींचने का असर अब पेट्रोल डीजल की खपत पर साफ नजर आ रहा है। हालात यह है कि जो लोग पहले 200 रुपए का पेट्रोल लेते थे, वे अब टैंक फुल करा रहे हैं, वहीं किसान फसल कटाई और रख रहे है। यहीं वजह है कि जिले के के पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ रही है और पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। यहीं हाल एलपीजी गैस सिलेंडरों को लेकर भी बने है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वह अफवाहों पर ध्यान

उपज बेचने की तैयारी के मद्देनजर कैन भर-भरकर डीजल ले जा रहे हैं। कैन में भरकर ईंधन ले जाने की होड़ इसी ओर इशारा कर रही है। दरअसल सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलने के बाद लोग घबराहट में वाहनों में पेट्रोल-डीजल भरवाने में जुट गये है। यहां तक कि कुछ लोग वाहनों के टैंक फुल करवाने के साथ-साथ अतिरिक्त पेट्रोल भी खरीदकर न दे। घबराये नहीं, जिले में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी गैस सिलेंडरों की किल्लत नहीं है। नियमित सप्लाई है और ईंधन का स्टॉक न करे। बैतूल के इटारसी रोड स्थित बसंत पेट्रोल पंप के संचालक बसंत वागद्रे ने बताया कि उनके इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। कंपनी से भी पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल-डीजल मिल रहा है।

जिले में है 144 पेट्रोल पंप

जानकारी के अनुसार जिले में कुल 144 पेट्रोल पंप है। इसमें से सबसे ज्यादा 40 पेट्रोल पंप बैतूल विकासखंड में है। इसके अलावा घोड़ाडोंगरी में 16, मुलताई में 16, चिचोली 8, भीमपुर में 5, भैंसदेही में 11, प्रभातपट्टन में 9, शाहपुर में 6, आठनेर में 10 और आमला विकासखंड में 22 पेट्रोल पंप संचालित हैं। पंप संचालकों का कहना है कि टैंकर का ऑर्डर पहले ही दे दिया गया था, लेकिन आपूर्ति समय पर नहीं पहुंचने से स्थिति बिगड़ी। लोग डर में डीजल-पेट्रोल की खरीदारी कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सप्लाई में कमी नहीं है, अचानक बढ़ी भीड़ के कारण दबाव बना है। कुछ पेट्रोल पंप संचालकों ने स्टॉक बचाने और जमाखोरी रोकने के लिए नया नियम लागू कर दिया है। जिसके तहत निश्चित मात्रा में ही लोगों को डीजल-पेट्रोल दिया जा रहा है।

कई पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें

इन दिनों पेट्रोल और डीजल खासकर डीजल की खपत अधिक बढ़ गई है। जिसके पीछे एक कारण यह है कि वर्तमान में गेहूं कटाई और दावन का कार्य चल रहा है। मशीनों से यह कार्य किय जा रहा है। जिसके लिए डीजल की अधिक आवश्यकता पड़ रह है। इस वजह से डीजल की खपत में इजाफा देखा जा रहा है। जिससे कुछ स्थानों पर अस्थायी किल्लत महसूस हो रही है। हालांकि जिन पेट्रोल पंपों पर स्टॉक कम बचा है, वहां लगातार बढ़ती मांग और सीमित स्टॉक के कारण ग्राहकों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए सीमा तय की गई है। यदि यह सीमा नहीं लगाई जाती, तो पूरा स्टॉक कुछ ही समय में खत्म हो सकता है और अधिक लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

खेती के लिए पड़ रही डीजल की अधिक जरूरत

वर्तमान में रबी की फसल की कटाई का समय है। थ्रेशर और ट्रैक्टर चलाने के लिए भारी मात्रा में डीजल की आवश्यकता होती है। लेकिन किसानों को पर्याप्त डीजल नहीं मिल पा रहा है। ऑयल कंपनियों से सप्लाई की रफ्तार धीमी होने से मुलताई सहित ग्रामीण क्षेत्रों में डीजल-पेट्रोल का स्टॉक कम पड़ गया है। वहीं दूसरी तरफ किसान दिनभर पंपों के चक्कर काट रहे, लेकिन उन्हें पर्याप्त डीजल-पेट्रोल नहीं मिल रहा है, जिससे उन्हें मायूस लौटना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि यदि एक-दो दिन यही स्थिति रही तो उनकी मेहनत की फसल खेतों में ही बर्बाद हो जाएगी। वहीं सूत्रों के अनुसार, कुछ लोग अफवाह का फायदा उठाकर डीजल का अवैध भंडारण (स्टॉक) भी कर रहे हैं।

खपत बढ़ी, स्टॉक खत्म होने के डर से कर रहे स्टॉक

अमेरिका- ईरान के बीच का असर जिले पर भी दिख रहा है। लोग अफवाहों के पीछे दौड़ रहे है। यहीं वजह है कि जिले में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी गैस सिलेंडरों की खपत बढ़ गई है। लोग डीजल और बाइक-कार के टैंक फुल कराने लगे। इससे क्राइसिस पैदा हो गया है। पंपों पर लंबी लाइनें लग गई। इससे लोगों को इंतजार करने के बाद पेट्रोल-डीजल मिला है। जबकि प्रशासन का दावा है कि कहीं भी ईंधन की कमी नहीं है। स्टॉक पर्याप्त है। सप्लाई लगातार जारी है। इसके बाद भी लोग अफवाह के शिकार हो रहे है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि स्टॉक की कमी या नहीं मिलने, जैसी कोई स्थिति फिलहाल जिले में नहीं है।

शब्दाभिव्यक्ति को समृद्ध बनाती है साहित्य केंद्रित कला : संदीप राशिनकर

इंदौर । किसी भी साहित्यिक विधा में निहित अभिव्यक्ति के सामर्थ्य को उसके साथ प्रकाशित कला ना सिर्फ समृद्ध करती है वरन् शब्द निहित अर्थों को भिन्न दृष्टि और वृहद आकार देती है। यह विचार शहर के चर्चित चित्रकार संदीप राशिनकर ने दिल्ली के हिन्दी भवन में आयोजित महत्वपूर्ण व्यंग्य यात्रा के भव्य सम्मान समारोह में हुए अपने सम्मान के अवसर पर अपने उद्बोधन में व्यक्त किए ।

उन्हें यहां व्यंग्य यात्रा शब्दान्वेषी कला भूषण सम्मान से सारस्वत अतिथि लीलाधर मंडलोई , अशोक त्यागी और अध्यक्ष प्रेम जनमेजय द्वारा सम्मानित किया गया । सम्मान निधि , स्मृति चिन्ह , सम्मान पत्र स्वरूप के इस सम्मान के प्रत्युत्तर में आपने कहा कि शब्दों का अन्वेषण कर कलात्मक अर्थवत्ता के साथ साहित्य के प्रभाव को बहुगुणित करती साहित्य केंद्रित कलाओं का साहित्यिक पुरस्कारों में समावेश किया जाना , कला की साहित्यिक महत्ता को रेखांकित किया जाना आवश्यक ही नहीं अनिवार्य भी है । उन्होंने प्रेम जनमेजय एवं सम्मान समिति का इस पहल के लिए आभार माना । इस अवसर पर सर्वश्री विष्णु नागर , विनोद कुमार विक्की , हरीश पाठक, डॉ . संजीव कुमार , बी. एल.आच्छा और स्नेहलता पाठक को रवीन्द्रनाथ त्यागी , धर्मवीर भारती स्मृति विविध व्यंग्य यात्रा सम्मानों से सम्मानित किया गया ।

सर्वश्री विष्णु नागर ,समकालीन भारतीय साहित्य के संपादक बलराम , गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष कुमार प्रशांत , एनबीटी के निदेशक लालित्य ललित , अशोक गुप्ता , व्यंग्य चित्रकार माधव जोशी , टेक महिंद्रा की ग्लोबल हेड श्रीया, पंकज सक्सेना जैसे अनेक लब्ध प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति में यह समारोह संपन्न हुआ ।कार्यक्रम का सुचारू संचालन नीरज मिश्र और सम्मान समिति के संयोजक रणविजय राव ने किया । स्वागत सुश्री आशा कुंद्रा , सोनी लक्ष्मी राव ने किया और आभार माना अशोक त्यागी ने ।

जिलेभर में धूमधाम से मनाई चैत्र नवरात्र की नवमी और भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव

जय-जय श्रीराम के जयघोषों से गुंजायमान हो उठा शहर

बैतूल। जिलेभर में चैत्र नवरात्रि और भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शहर में भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा पर जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जिधर से भी शोभायात्रा निकलती, भगवान श्रीराम के जयकारों से वातावरण गूंज उठता। शोभायात्रा में शामिल झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ मुख्य मार्गो से होकर निकाली गई। राम लला की अगवानी के लिए मार्ग को दुल्हन की तरह सजाया गया था। भगवा ध्वज व बैनर लगाए गए। वहीं नवमी को लेकर देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की। मंदिर में हवन पूजन किया गया। इसके साथ ही श्रीराम मंदिरों में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया गया। कोठीबाजार स्थित बडा श्रीराम मंदिर, छोटा श्रीराम मंदिर, पुलिस लाइन टैगोर वार्ड स्थित मंदिर, सहित देवी मंदिरों में भी दिन भर पूजा अर्चना करने वालों की भीड़ लगी रही। कोठीबाजार स्थित प्रसिद्ध बडा श्रीराम मंदिर और छोटे श्रीराम मंदिर में सुबह से ही भक्तों ने पूजा अर्चना की। आरती में बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। माताजी को भोग लगाने के लिए महिलाओं ने विशेष पकवान बनाए थे, जिसका माता को भोग लगाने के पश्चात कन्या भोजन कराया।

हुए भंडारे, पेयजल की व्यवस्था

रामभक्तों के लिए संगठनों और श्रद्धालुओं द्वारा शीतल पेयजल सहित खानपान की व्यवस्था की थी। वहीं मंदिरों में भी भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। जब राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी की शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से निकली तो श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। इधर पुलिस व प्रशासन ने भी शोभायात्रा को लेकर व्यापक प्रबंध किए थे। ताकि शोभायात्रा के दौरान कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। इसके लिए शहर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था।

आमला में अवैध उत्खनन पर खनिज, राजस्व और पुलिस की बड़ी कार्यवाही, एक पोकलेण्ड मशीन एवं डम्पर जप्त

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आमला शैलेंद्र बड़ोनिया के नेतृत्व में खनिज, राजस्व व पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से गुरूवार को तहसील आमला अंतर्गत ग्राम अम्बाडा स्थित स्टोन क्रेशर एवं आस-पास के क्षेत्रो का अकास्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम अम्बाडा स्थित निजी भूमि के अंश भाग पर पोकलेण्ड मशीन द्वारा खनिज बोल्डर/पत्थर का अवैध उत्खनन कर डम्पर क्रमांक एमपी 48 एच 0520 के द्वारा अवैध परिवहन करते हुए जप्त किया गया। मशीन/डम्पर चालाक द्वारा बताया गया कि उक्त उत्खनन/परिवहन कार्य स्टोन क्रेशर संचालक उपेन्द्र ऊर्फ भूरु सूर्यवंशी द्वारा कराया जा रहा है। मौके पर उपस्थित दल द्वारा उत्खनित क्षेत्र की माप की गई। माप अनुसार उत्खनित खनिज की मात्रा 14154 घमी आंकलित की गई। जांच अधिकारीयों द्वारा उक्त अवैध उत्खनन कार्य में संलिप्त मशीन डम्पर को जप्त कर पुलिस चौकी बोडखी थाना आमला की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। इसी प्रकार ग्राम अम्बाडा में मास्टर स्टोन क्रेशर के संचालक देवधर इंगले के पक्ष में स्वीकृत व अनुबंधित पत्थर उत्खनि पटटा की जांच के दौरान पटटाधारी द्वारा खदान में की गई ब्लास्टिंग से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत न किये जाने, पर्यावरण एवं खनिज नियमों का पालन न किये जाने संबंधी अनियमिताएँ पाई गई।

जिले में चलेगा ऑपरेशन मुस्कानः 1 अप्रैल से ऑपरेशन मुस्कान पुलिस चलाएगी, अभियान में पूर्व गुमशुदा बच्चों की करेंगी तलाश

सोहागपुर। जिले में पुलिस चलाएंगी ऑपरेशन मुस्कान इस अभियान के तहत पूर्व में गुमशुदा बच्चों की तलाश करेगी। ताकि गुमशुदा बच्चों को उनके परिवारजनों को मिल सकें। इस तारतम्य में विगत दिवस महिलाओं बालक बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए सोहागपुर पुलिस ने हाल ही नगर से एक बालिका का अपहरण किया गया था। जिसमें पुलिस की सजगता से करीबन 4 घंटे के अंदर दस्तयाब किया गया था। इस मामले में पुलिस अधीक्षक श्री साईं कृष्ण एस थोटा ने दस हजार रुपए इनाम की घोषणा की है। सोहागपुर पुलिस ने बताया नाबालिग बालिका बालिकाएं अपहृत होकर गुमशुदा हो जाते हैं।ऐसे मामलों में गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करती रही है। उनकी दस्तयाबी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं । लेकिन नाबालिग बालक बालिकाओं के गुमशुदा होने में सतर्कता, सजगता के साथ परिजनों की जागरूकता के साथ सामाजिक जागरूकता की भी आवश्यकता है। ऐसा ही एक प्रकरण पिछले दिनों बालिका के अपहरण से संबंधित थाना क्षेत्र में हुआ जिसमें बालिका के परिजनों एवं पुलिस की सजगता से दस्तयाब किया गया था। इसी क्रम में जिले में 1 अप्रैल से ऑपरेशन मुस्कान चलाया जाएगा । इस अभियान के तहत शेष गुमशुदा बचे बालक बालिकाएं अभी नहीं मिले पाए हैं। उनकी पतारसी के हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। आज तला मोहल्ला सोहागपुर की फरियादिया के द्वारा थाने में इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई कि कि उसका 15 वर्षीय बालक मानसिक रूप से कमजोर था। मां की तबीयत खराब होने से शासकीय अस्पताल सोहागपुर गई थी । घर पर बालक को अकेला छोड़ दिया था। जब वापस घर पहुंची तो बालक नहीं मिला। जिसकी गुमशुदगी दर्ज की गई अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपहरण का मामला दर्ज किया गयाअपहरित 15 वर्षीय बालक को 02 घंटे के अंदर दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा किया गया । एएसआई गणेश राय ने बताया कि सोहागपुर थाना क्षेत्र में इस वर्ष की शुरुआत से लेकर अभी तक कुल 03 बालक गुमशुदा हुए जिसमें 01 मिल गया 02 की तलाश जारी है।वहीं 06 बालिका गुमशुदा होने की शिकायत की गई थी। जिसमें 05 बालिकाओं को दस्तयाब कर उनके परिजनों को सौंपा गया है। शेष 01 बालिका की तलाश अभी जारी है। नवनियुक्त नगर निरीक्षक राहुल रायकवार एवं एएसआई गणेश राय ने नागरिकों से आव्हान किया है कि बालक बालिकाओं के गुमशुदा होने पर इसकी सूचना परिजन तत्काल सोहागपुर थाने में प्राथमिकता।

सड़क हादसों में घायलों की करें त्वरित मदद: कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर के पीड़ितों को अस्पताल पहुचाने पर होंगे पुरस्कृत कहलाएंगे राहवीर

नर्मदापुरम, (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन द्वारा मोटर वाहन से जुड़ी गंभीर दुर्घटना के पीड़ित को तत्काल सहायता प्रदान करके और दुर्घटना के बाद महत्वपूर्ण गोल्डन आवर के भीतर चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाकर पीड़ित की जान बचाने वाले को राहवीर योजना के तहत पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने जिले वासियों से अपील की है कि योजना के तहत घायलों की सहायता करें तथा महत्वपूर्ण समय में उन्हें अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाए। इस प्रक्रिया के दौरान सहयता करने वाले व्यक्ति को किसी भी प्रकार की पुलिस कार्यवाही का सामना नहीं करना पड़ेगा। सहायता करने वाले व्यक्ति को योजना के तहत पुरुस्कृत भी किया जायेगा। योजना का उद्देश्य आम जनता को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मदद करने और उनका मनोबल बढ़ाने के लिए प्रेरित करना है। इसके साथ ही सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की जान बचाने के लिए दूसरों को भी प्रेरित और प्रोत्साहित करना है।

योजना के तहत कोई भी व्यक्ति जिसने मोटर वाहन से जुड़ी किसी गंभीर दुर्घटना के पीड़ित को तत्काल सहायता प्रदान करके तथा दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर के भीतर अस्पताल पहुंचकर चिकित्सा उपचार प्रदान करके उसकी जान बचाई हो वह पात्र होगा जिसे जिला स्तर पर मूल्यांकन के पश्चात इनाम प्रदान किया जाएगा। मोटर यान अधिनियम की धारा 2 (12क) के अनुसार 'गोल्डन ऑवर' का तात्पर्य किसी गंभीर चोट के बाद एक घंटे की वह अवधि, जिसके दौरान शीघ्र चिकित्सा देखभाल प्रदान करके जीवन बचाने की सबसे अधिक संभावना होती है।

गंभीर दुर्घटनाः मोटर वाहन से जुड़ी कोई भी सड़क दुर्घटना जिसके परिणामस्वरूप पीड़ित को उपचार के दौरान निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति उत्पन्न हुई हो और अस्पताल द्वारा मृत्यु/गंभीर स्थिति का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो। बड़ी सर्जरी होना, कम से कम तीन दिन अस्पताल में भर्ती रहना, मस्तिष्क की चोटें, रीढ़ की हड्डी की चोटें, उपचार के दौरान पीड़ित की मृत्यु। वित्तीय पुरस्कार एवं प्रमाण पत्रः प्रत्येक राह-वीर (गुड समेरिटन) के लिए पुरस्कार राशि प्रति घटना 25,000/- रुपये होगी, जो निम्नलिखित प्रावधानों के अधीन होगी। यदि एक राह-वीर मोटर वाहन से जुड़ी एक गंभीर दुर्घटना में एक या अधिक पीड़ितों की जान बचाता है, तो पुरस्कार राशि 25,000/- रुपये मात्र होगी।

यदि एक से अधिक राह-वीर (गुड समेरिटन) मोटर वाहन से जुड़ी किसी गंभीर दुर्घटना में एक पीड़ित की जान बचाते हैं, तो पुरस्कार राशि 25,000/-रुपये उनके बीच बराबर-बराबर बाँटी जाएगी। यदि एक से अधिक राह-वीर (गुड समेटिटन) मोटर वाहन से जुड़ी किसी गंभीर दुर्घटना में एक से अधिक पीड़ितों की जान बचाते हैं, तो पुरस्कार राशि प्रति बचाए गए पीड़ित व्यक्ति के लिए 25,000/- रुपये होगी, जो प्रति राह-वीर अधिकतम 25,000/- रुपये होगी। प्रत्येक पुरस्कार के साथ एक सराहना प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। राहवीर योजना के तहत, अस्पताल/पुलिस स्टेशन राह-वीर को अनावश्यक रूप से रोक कर नहीं रख सकते। घायल होने के पहले महत्वपूर्ण घंटे यानी 'गोल्डन ऑवर' में पीड़ित के बचने की संभावना बढ़ाने के लिए आसपास के लोगों की सहायता ज़रूरी है।

बासौदा वन क्षेत्र में अवैध पत्थर खनन पर कार्यवाही जारी

वन विभाग-पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

विदिशा, (निप्र)। विदिशा वनमण्डल अंतर्गत बासौदा वन परिक्षेत्र में अवैध पत्थर खनन पर रोक लगाने के लिए वन विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक एवं वनमंडलाधिकारी के मार्गदर्शन में लगातार दूसरे दिन भी प्रभावी रूप से जारी रही। उपवनमंडलाधिकारी गंजबासौदा के नेतृत्व में उदयपुर क्षेत्र में सक्रिय अवैध खदानों को बंद कराने तथा खनन माफियाओं पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। वनमण्डलाधिकारी, सामान्य वनमण्डल विदिशा द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी में उल्लेखनीय है कि अवैध खनन क्षेत्र विश्व प्रसिद्ध 'नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर' एवं अन्य पुरातात्विक स्थलों के समीप स्थित है, जहां खनन से उत्पन्न कंपन और धूल से इन धरोहरों को क्षति पहुंचने की आशंका थी। इसी को ध्यान में रखते हुए वन विभाग द्वारा पूरे संवेदनशील वन क्षेत्र की स्थायी सुरक्षा के लिए 'चेनलिंक फेसिंग' कराए जाने का निर्णय लिया गया है, जिससे खनन गतिविधियों और बाहरी हस्तक्षेप को पूर्णतः रोका जा सके।

कार्रवाई का विवरणः मंगलवार 24 मार्च को वन एवं पुलिस बल द्वारा बारबंद, छानबाग, साहीबा एवं पधार क्षेत्रों में गश्त कर दबिश दी गई, जिसमें लगभग 2000 नग फर्शी पत्थरों को मौके पर ही नष्ट किया गया। वहीं आज बुधवार को 25 मार्च को अभियान को और अधिक तेज करते हुए विभिन्न अधिकारियों के नेतृत्व में 4 विशेष टीमें गठित की गई हैं, जो निरंतर खदान क्षेत्रों में कार्रवाई कर रही हैं। साथ ही अवैध पत्थर परिवहन पर रोक लगाने के लिए मुख्य मार्गों पर 4 चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं, जहां सघन निगरानी की जा रही है। आज की कार्रवाई में अब तक 438 नग फर्शी पत्थरों को नष्ट किया जा चुका है। इस संयुक्त अभियान में गंजबासौदा, विदिशा एवं ग्यारसपुर के परिक्षेत्र अधिकारी अपने-अपने वन अमले के साथ तथा बासौदा थाना प्रभारी अपने पुलिस बल के साथ सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। जिले में अवैध खनन के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त एवं आकस्मिक कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी, ताकि वन संपदा एवं ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर की जा रही है निरंतर कार्रवाई

सीहोर, (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिजों के उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में भैरूंदा एवं रेहटी में खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग के संयुक्त दल एवं राज्य स्तर से आए दल द्वारा अवैध रेत के ओवरलोड में संलग्न 04 डंपर जब्त किए, जिन्हें भैरूंदा एवं रेहटी थाने की अभिरक्षा में रखा गया है। इसके साथ ही दल द्वारा नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया गया। जिला खनिज अधिकारी श्री धर्मेंद चौहान बताया कि जब्त किए गए वाहनों पर खनिज नियमों एवं प्रावधानों के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सीहोर में 28 मार्च को आयोजित होगा मेगा शिविर

सीहोर, (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 28 मार्च को सीहोर स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान में प्रात 10:30 बजे से मेगा लीगल आउटरीच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा। इस मेगा शिविर की मुख्य थीम मानसिक स्वास्थ्य एवं दिव्यांगजनों पर केन्द्रित होगी। शिविर में जिले के सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे और दिव्यांगजनों एवं नागरिकों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायता उपकरण भी प्रदान किए जाएंगे। शिविर के आयोजन के संबंध में न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह द्वारा सभी विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई और आयोजन कें संबंध में चर्चा की गई।

हेलमेट उपयोग पर सख्ती, 8 कर्मचारियों पर जुर्माना

बैतूल, (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत शासकीय कर्मचारियों द्वारा दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के उपयोग को लेकर सख्ती बरती जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को डिप्टी कलेक्टर तृप्ति पटेरिया, थाना प्रभारी कोतवाली श्री देवकरण डहरिया तथा यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने कलेक्ट्रेट परिसर में हेलमेट उपयोग की सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान अधिकांश कर्मचारियों द्वारा हेलमेट का उपयोग करते हुए सुरक्षा के प्रति जागरूकता प्रदर्शित की गई। वहीं हेलमेट का उपयोग नहीं करते पाए गए 8 कर्मचारियों के विरुद्ध प्रति व्यक्ति 300 रुपये के मान से कुल 2400 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि हेलमेट जांच की यह सघन कार्रवाई सतत रूप से जारी रहेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गुंजारी नर्मदा संगम घाट में आयोजित सेवा कार्य में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

सीहोर, (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि हमारा प्रदेश नदियों की जन्मस्थली है और इनका संरक्षण पूरे समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि छोटी नदियों एवं उनके जल स्त्रोतों को बचाने तथा उद्गम स्थलों को संरक्षित करने के लिए तटों पर पौधरोपण कर उनकी देखरेख सुनिश्चित की जाए।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने कलेक्ट्रेट में ई-ऑफिस एवं न्यायालयीन प्रकरणों का किया निरीक्षण

बैतूल, (निप्र)। संभागायुक्त श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय का निरीक्षण कर ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन, स्थापना शाखा तथा कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर न्यायालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने सर्वप्रथम ई-ऑफिस प्रणाली में आवक-जावक प्रक्रिया का निरीक्षण करते हुए संबंधित कर्मचारियों की दक्षता परखी। उन्होंने निर्देश दिए कि संपूर्ण कलेक्ट्रेट की आवक-जावक प्रक्रिया सेंट्रलाइज्ड हो तथा पत्र मार्किंग के लिए कलेक्टर और अपर कलेक्टर ही दो स्तर निर्धारित रहें। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशल बनाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कोई भी पत्र लंबित न रहे और संबंधित शाखा प्रभारी समय-समय पर निरीक्षण सुनिश्चित करें। इसके पश्चात संभागायुक्त ने स्थापना शाखा का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों के समयमान वेतनमान , विभागीय जांच, न्यायालयीन प्रकरण, स्वेच्छानुदान, सेवा पुस्तिका एवं हिट-एंड-रन प्रकरणों की समीक्षा की।

टेबल निरीक्षण रोस्टर अनुरूप नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित शाखा प्रभारी को निर्धारित रोस्टर के अनुसार अनिवार्य रूप से टेबल निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि न्यायालयीन प्रकरणों की निरन्तर समीक्षा कर गंभीरतापूर्वक निराकरण कराएं। जवाब दावे समय पर प्रस्तुत किए जाएं। स्थापना शाखा में भी उन्होंने रैंडम रूप से ई-ऑफिस के क्रियान्वयन की स्थिति देखी तथा शाखा लिपिक और शाखा प्रभारी को नस्तियों पर अनिवार्य रूप से डिजिटल हस्ताक्षर करने के निर्देश दिए।

विदिशा में पेट्रोल-डीजल व गैस का पर्याप्त स्टॉक प्रशासन सतर्कः जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में गैस एजेंसी संचालकों की बैठक, 3-4 दिन में मिल रहे घरेलू सिलेंडर

विदिशा, (निप्र)। जिले में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू गैस की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। बुधवार को अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर की अध्यक्षता में नगरीय क्षेत्र विदिशा के गैस एजेंसी संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी सहित एचपीसीएल से संबद्ध अतुल गैस एजेंसी, विदिशा गैस सर्विस, सम्राट अशोक गैस एजेंसी, महेश गैस एजेंसी एवं नीरा गैस एजेंसी के संचालक एवं प्रबंधक उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर श्री डामोर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी उपभोक्ताओं को उनकी बुकिंग के आधार पर स्त्रद्धस्त्रह (पहले आओ, पहले पाओ) पद्धति से ही गैस रिफिल प्रदान की जाए। घरेलू सिलेंडरों की किसी भी प्रकार की अनाधिकृत बिक्री पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। एजेंसी संचालकों ने बैठक में जानकारी दी कि वर्तमान में सभी एजेंसियों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और जिले में किसी भी प्रकार की बैकलॉग या ड्राई स्थिति नहीं है। उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर 3 से 4 दिनों के भीतर गैस रिफिल उपलब्ध कराया जा रहा है। ऑयल कंपनियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार व्यवसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति 1 से 2 दिनों में प्राप्त हो जाएगी। इनकी आपूर्ति शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकता क्रम के अनुसार की जाएगी, जिसमें शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थान, आवश्यक सेवाएं (पुलिस, जेल, रेलवे, दीनदयाल रसोई), होटल-रेस्टोरेंट एवं उद्योग शामिल हैं। प्रशासन ने सभी एजेंसियों को निर्देशित किया कि व्यवसायिक एलपीजी की बुकिंग, आपूर्ति एवं स्टॉक का विधिवत रिकॉर्ड संधारित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री अनिल तंतुवाय ने संबंधितों को सचेत करते हुए कहा है कि यदि किसी भी एजेंसी द्वारा शासन के निर्देशों का उल्लंघन या अनियमितता पाई जाती है, तो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा जिले में गैस स्टॉक की प्रतिदिन निगरानी की जा रही है। जमाखोरी या कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर संबंधितों के विरुद्ध लगातार प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के लिए फील्ड मास्टर ट्रेनर्स को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

सीहोर, (निप्र)। जिले में जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जनगणना कार्य के सफल संपादन के लिए सीहोर के शासकीय कन्या महाविद्यालय में 24 से 26 मार्च तक फील्ड लेवल मास्टर ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में 25 मार्च को आयोजित प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स को जनगणना कार्यों की बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जानकारी के अनुसार जिले में जनगणना कार्य दो चरणों में संपन्न होगा। प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 के मध्य आयोजित किया जाएगा, जिसमें मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। द्वितीय चरण फरवरी 2027 में संपन्न होना प्रस्तावित है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जो भारत की पहली डिजिटल जनगणना होगी। आंकड़ों का संकलन मोबाइल एप के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही नागरिकों को स्वयं अपना डेटा भरने की सुविधा देने के लिए स्व-गणना वेब पोर्टल विकसित किया जा रहा है। मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन ब्लॉक क्रिएटर वेब पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा, जबकि जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली वेब पोर्टल के जरिए संपूर्ण कार्य की मॉनिटरिंग की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार लापरवाही ना हो : कलेक्टर

विदिशा, (निप्र)। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज कुरवाई तहसील क्षेत्र के भ्रमण दौरान स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लायरा का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्वाथ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार कि लापरवाही ना हो उन्होंने कई व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्वास्थ्य केंद्र में साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, मरीजों के उपचार, रिकॉर्ड संधारण एवं स्टाफ की उपस्थिति का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मरीजों को बेहतर और समय पर इलाज मिलना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मौके पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप रहें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिले और किसी भी मरीज को अनावश्यक परेशान न होना पड़े। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना अत्यंत आवश्यक है, इसलिए नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड विजिट सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जहां भी कमियां पाई जाएंगी, वहां जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ओपी सनोडिया, कुरवाई एसडीएम मनीष जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, जनपद सीईओ एवं खंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 625 गर्भवती महिलाओं की जांच

297 हाई रिस्क मिली

बैतूल, (निप्र)। गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का पता लगाने और समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने के लिए प्रतिमाह 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रंजीत राठौर ने बताया कि 25 मार्च को जिले में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 625 गर्भवती महिलाओं की जांच एवं 297 हाई रिस्क चिन्हित और 83 महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। शिविर में सभी महिलाओं की खून की जांच एवं जीडीएम की जांच की गई। जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ. शिवानी इवने द्वारा 57 गर्भवती महिलाओं की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें 20 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, 83 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ ईशा डेनियल द्वारा 52 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें हाई रिस्क 51 महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में चिकित्सक अधिकारी डॉ माधुरी वहाने द्वारा 54 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें 23 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ महिमा सिंह द्वारा 65 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 20 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सिविल अस्पताल आमला में महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ ईवान जेम्स द्वारा 39 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें हाई रिस्क 11 महिलाएं पाई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ श्रेया देवकते द्वारा 90 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 26 हाई रिस्क महिलाएं हाई रिस्क पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में महिला चिकित्सा अधिकारी डॉ सरस्वती कंगाले द्वारा 43 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 24 महिलाएं हाई रिस्क पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमपुर में महिला चिकित्सक डॉ सिद्धि अग्रवाल द्वारा 83 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 29 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में चिकित्सा अधिकारी डॉ शेखर मोहवे द्वारा 14 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 9 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सरिता कालभोर द्वारा 73 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 41 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी में स्त्री रोग चिकित्सक (पीजीएमओ) डॉ कविता कोरी द्वारा 55 गर्भवती महिलाओं की जांच, जिसमें 43 हाई रिस्क महिलाओं की जांच की गई।

शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक जांचे, चिकित्सकीय परीक्षण, परामर्श और हाई रिस्क महिलाओं का उचित प्रबंधन कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवाना है जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सके।

देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है मध्यप्रदेश : सीएम

● मध्यप्रदेश 11.6 प्रतिशत विकास दर से कर रहा प्रगति ● जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए हमारे पास पर्याप्त धनराशि ● पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा, जनता पसंद कर रही है सरकार के काम ● अब तक का सबसे सुव्यस्थित और भव्य होगा उज्जैन सिंहस्थ ● सिंहस्थ में आने वाले अनुमानित 40 करोड़ श्रद्धालुओं के लिए की जा रही हैं तैयारियां

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वित्तीय संसाधनों के समुचित प्रबंधन से अच्छे परिणाम देने का मॉडल तैयार किया है। हम कम संसाधनों में भी बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं। आज हमारा मध्यप्रदेश देश में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले प्रदेश के रूप में पहचाना जा रहा है। मध्यप्रदेश 11.60 प्रतिशत की विकास दर से तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार के पास 106 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए समानुपातिक आवंटन के लिए पर्याप्त धनराशि है। जनकल्याण के साथ हम प्रदेश के औद्योगिक और अधोसंरचनात्मक विकास के लिए भी सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय मीडिया समूह की एनुअल समिट को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने विकास के लिए हर क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। हमारी कृषि विकास दर भी पहले से बेहतर हुई है। हमने बीते दो साल में औद्योगिक विकास पर विशेष ध्यान देकर जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव कर मध्यप्रदेश में निवेश के लिए एक नया माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि बीते दो साल में प्रदेश में करीब 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर आया है। यह हमारे अपने राज्य की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। लाड़ली बहना योजना में हमारी 1 करोड़ 25 लाख 27 हजार बहनें हैं। इनके हित में हम हर महीने 1500-1500 रुपये खाते में डाल रहे हैं। किसानों को किसान सम्मान निधि भी दे रहे हैं। भारत सरकार के वित्तीय व्यवस्था के जो उच्चतम मापदंड है उसके दायरे में रहकर हम अपनी आय-व्यय को विनियमित कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अपने पद के अनुरूप आचरण नहीं कर रहे हैं। उन्हें कितना बड़ा मौका मिला है, लेकिन उन्होंने इस पद की गरिमा का पतन कर दिया है। भारत-पाकिस्तान में स्ट्राइक हो रही है और अपोजिशन लीडर सेना का मनोबल गिरा रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के समय स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेई पूरी दृढ़ता से सरकार के साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा था हम सेना के साथ हैं। जब राष्ट्रीय संकट हो तो देश के साथ रहना चाहिए, यह विपक्ष को सीखना चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल और वायु हमेशा सीमाओं से परे होती है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश को दो राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है। यह परियोजना राज्यों के हित में है। इस राष्ट्रीय परियोजना की 90 प्रतिशत लागत राशि भारत सरकार दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश तो नदियों का मायका है। यहां 250 से ज्यादा नदियां हैं। हमारे पड़ोसी राज्य राजस्थान के 15 जिले सालों से पीने के पानी, उद्योग और सिंचाई के लिए भारी कष्ट में थे। माननीय अटल जी की सरकार के वक्त नदी जोड़ो योजना बनी थी लेकिन राजस्थान और मध्यप्रदेश की सरकार के साथ तालमेल न होने से इस विषय को लटकाए रखा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से मध्यप्रदेश और राजस्थान ने साथ आने का प्रयास किया और दोनों राज्यों की पश्चिमी भारत को सिंचाई की सुविधा से संपन्न करने के लिए पार्वती-कालीसिंध-चंबल योजना पर सहमति बनी। इस पर लगभग 70 हजार करोड़ रुपये की धनराशि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मंजूर की। प्रधानमंत्री जी की मौजूदगी में ही इस परियोजना का शुभारंभ हुआ। इस गठबंधन का परिणाम यह हुआ कि दोनों राज्यों के लोगों का एक तरह से अब जीवन बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच सौहार्द्रपूर्ण संबंध होने चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री श्री मोदी की कार्यशैली और हमारी सरकार पसंद बनी हुई है। इसलिए तो हमारी सरकार विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के 21 से अधिक प्रदेशों में हमारी सरकार है। जहाँ आज भी जनता काम पसंद करती है। प्रधानमंत्री की कार्यनीति को भी जनता पसंद करती है। जनता जान रही है कि दुनिया के सामने भारत का मान बढ़ रहा है, सम्मान बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय अवधारणा पर काम कर रही है। आखिरी पंक्ति में खड़े हुए गरीब आदमी की जिंदगी में मदद हो जाए, उसके जीवन से कष्ट मिट जाए, हम इस आधार पर काम कर रहे हैं। हमारे राज्य की प्रोग्रेस भी पर्याप्त हो रही है और हम सभी योजनाओं के लिए धनराशि लेकर चल रहे हैं। लाड़ली बहना योजना से बेहतर नारी सशक्तिकरण की कौन सी योजना हो सकती है, जबकि विपक्ष के लोग कहते हैं कि महिलाओं को पैसे मत दीजिए, वे शराब पी जाती हैं। क्या उन्हें ऐसी भाषा बोलनी चाहिए। अपनी भाषा के कारण ही वे सरकार से बाहर हैं। हम पूरी श्रद्धा के साथ समाज के सभी वर्गों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चला रहे हैं। गरीब आदमी की जिंदगी बेहतर करने के लिए भी पर्याप्त धनराशि दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बारे में कहा कि उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह केवल उज्जैन और मध्यप्रदेश का ही नहीं देश का भी सबसे गरिमापूर्ण आयोजन है। उज्जैन की आबादी 8 लाख है, पर सिंहस्थ के दौरान यहां दो महीनों के भीतर 40 करोड़ लोग आएंगे। इसके लिए हमें उज्जैन को तैयार करना है, जिससे किसी भी श्रद्धालु को बाल बराबर भी कष्ट न होने पाए, हमारी सरकार इसके लिए सारे प्रबंधन करके चल रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनारस जैसी पुण्य नगरी में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन कराने जा रही हैं। हमारे लिए सौभाग्य की बात है सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के सभी पक्षों को लेकर हम दुनिया के सामने जा रहे हैं। इसलिए हम विक्रमादित्य रिसर्च सेंटर भी खोल रहे हैं, विक्रमादित्य के काल के अलग-अलग प्रकार के शोध को बढ़ावा भी दे रहा है। लोक रंजन के दृष्टि से विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन कर हम भावी पीढ़ी को गणतंत्र के जनक की शौर्यगाथा दिखाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्य-जीव संरक्षण पर कहा कि मध्यप्रदेश में पूरे देश में सबसे ज्यादा बाघ हैं। सबसे अधिक टाइगर रिजर्व भी मध्यप्रदेश में हैं। हमारे यहां चीतों का परिवार भी फल-फूल रहा है। हम अफ्रीका से 20 चीते लाए थे। अब 53 से ज्यादा चीते हमारे राज्य में हो गए हैं। घड़ियाल, भेड़िए मगरमच्छ, कछुए, गिद्ध सब प्रकार की प्रजातियों के संरक्षण के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। असम से अगले महीने ही मध्यप्रदेश में हम जंगली भैंसे लाकर उन्हें बसाना चाहते हैं। घड़ियालों की सैंक्चुरी फिलहाल राजस्थान में है। लेकिन इसी साल हमने 53 घड़ियालों को चंबल नदी में स्वच्छंद वातावरण में छोड़कर उनकी संख्या बढ़ाने के लिए समर्पित किया है। हाल ही में नौरादेही टाइगर रिजर्व में भी कछुए छोड़े गये हैं। मध्यप्रदेश के नौरादेही में चीतों का तीसरा बसेरा तैयार हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन्दौर में हुई जल संबंधी दुर्घटना के लिए हमने कड़े कदम उठाए हैं। ऐसी घटनाए दोबारा न हों, इसके लिए हमने तुरंत सभी जरूरी प्रबंधन और व्यवस्थाएं की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में उपजे हालातों के संबंध में भारत के ईंधन लाने वाले जहाज बड़ी बुलंदी से तिरंगे के साथ होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर आ रहे हैं। अमेरिका हो या ईरान दोनों ने ही भारत के लिए रास्ता आसान कर दिया है। यह है भारत की सरकार का काम करने का तरीका और यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की बेहतरीन कार्यशैली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमें अपने राज्य की भौगोलिक स्थिति और जरूरतों का भरपूर ज्ञान है। इसलिए मध्यप्रदेश सभी क्षेत्रों में समान रूप से काम कर रहा है। राज्य की हेल्थ सुविधाओं को बेहतर करने के लिए हम बहुत तेज गति से प्रदेश में मेडिकल कॉलेज खोल रहे हैं। हमारी पार्टी की सरकार आने से पहले मध्यप्रदेश में करीब 55 साल में सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे। आज की स्थिति में मध्यप्रदेश में 40 मेडिकल कॉलेज हैं। इनमें से 10 मेडिकल कॉलेज तो हमने अपने बीते 2 साल के कार्यकाल में ही खोल दिए हैं। प्रदेश की बेहतरी के लिए यही हमारे काम करने का तरीका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को हर क्षेत्र में बेहतर बनाने के लिए तेजी से मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है।

ग्वालियर समेत प्रदेश के 7 जिलों में आज गिर सकता है पानी

मार्च में तीसरी बार आंधी-बारिश का अलर्ट, अगले 3 दिन ऐसा ही मौसम

भोपाल (नप्र)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम (चक्रवात) की वजह से मध्य प्रदेश में शुक्रवार से मौसम का मिजाज बदल गया। मौसम केंद्र ने अगले 24 घंटे के अंदर ग्वालियर समेत 7 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। मार्च में तीसरी बार पानी गिरने का अनुमान है। इससे पहले प्रदेश में दिन का पारा 41.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। नर्मदापुरम सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। अगले 3 दिन यानी, 30 मार्च तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के ऊपरी हिस्से में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय है। वहीं, पश्चिमी हिस्से में दो चक्रवात एक्टिव है। इनकी वजह से प्रदेश में मौसम बदल रहा है। शुक्रवार को ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में बारिश होने के आसार है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में भी बारिश का अनुमान- मौसम विभाग के अनुसार, 30 मार्च तक भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर संभाग के करीब 28 जिलों में पानी गिर सकता है। 28 मार्च को कुछ जिलों में बूंदाबांदी होने का अनुमान है। 30 मार्च को सिस्टम का सबसे ज्यादा असर रहेगा।

एडीएम ने 3 महीने के लिए प्रतिबंध लगाया, उल्लंघन पर होगी एफआईआर

भोपाल में पराली जलाने पर रोक

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पराली जलाने पर रोक लगा दी गई है। गुरुवार देर रात एडीएम सुमित कुमार पांडेय ने आदेश जारी किया। इसके मुताबिक, अगले 3 महीने तक पराली यानी, नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन करने पर थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करते हुए यह रोक लगाई गई है, जो पूरे भोपाल जिले में लागू रहेगी। एडीएम पांडेय ने सभी एसडीएम को पराली जलाने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। वर्तमान में कई किसान गेहूं की कटाई में लगे हैं। इस कारण खेतों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। कई किसान फसल काटने के बाद खेतों में आग लगा देते हैं। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी खत्म हो रही है। इसलिए एडीएम ने यह आदेश जारी किया है।

पुलिस से बचकर भागी स्कॉर्पियो ने परिवार को कुचला, 5 की मौत, 4 घायल

ई-रिक्शा को टक्कर मारने के बाद भाग रही थी, पीछे से ऑटो को रौंदा

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के परशुराम चौराहे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने एक ऑटोरिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चों सहित चार लोग घायल हैं। वहीं गंभीर हेड इंजरी की वजह से ऑटो ड्राइवर की हालत भी नाजुक है।

हादसा शुक्रवार तड़के 3 बजे उस समय हुआ, जब ऑटो में सवार लोग शीतला माता मंदिर से दर्शन कर लौट रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो नीम के पेड़ से टकराने के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, उसमें सवार यात्रियों को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चार लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। चश्मदीद भूरा के मुताबिक, स्कॉर्पियो ने बस स्टैंड पर एक ई-रिक्शा को टक्कर मारी थी। उसके पीछे पुलिस लगी थी। भागते समय स्कॉर्पियो ने रास्ते में ऑटो को भी टक्कर मार दी।

ऑटो ड्राइवर की भी हालत नाजुक- एसपी धर्मवीर यादव के मुताबिक, दो बच्चे, एक महिला और ऑटो ड्राइवर राजेश कुमार ट्रॉमा सेंटर में एडमिट हैं। स्कॉर्पियो चालक अमन शर्मा का मेडिकल टेस्ट करा रहे हैं। वहीं थाटीपुर थाने की पुलिस ने एमपी 21 जेड ई 5911 नंबर की स्कॉर्पियो जब्त कर ली है। इसके आगे का कांच टूट चुका है। सभी एयरबैग भी खुले हुए हैं।

कल शुभम के बेटे आरव का जन्मदिन था- पुलिस के मुताबिक, सभी मृतक एक ही शाक्य परिवार के हैं, जो मुरार के घास मंडी और थाटीपुर की सरकारी मल्टी में रहते हैं। कल शुभम के बेटे आरव का जन्मदिन था। वे परिवार के साथ दोपहर 12 बजे करौली माता मंदिर, फिर स्थानीय वैष्णों देवी मंदिर गए। शाम को घर में बर्थडे मनाने के बाद रात 10 बजे शीतला माता के दर्शन करने चले गए थे। वहां से लौटते समय हादसा हो गया।

मरने वालों में पति-पत्नी और बहू भी शामिल

इंद्रजीत उर्फ पप्पू शाक्य (55)
लीला पति इंद्रजीत (52)
शुभम उर्फ लाली पिता महेश शाक्य (30)
प्रीति कश्यप पति करण कश्यप (60) निवासी मेरठ
शगुन पति शुभम
(प्रीति कश्यप, शुभम की सास हैं।)

ये हुए घायल

प्रीति (20)
प्रियांश पिता शुभम (5)
आरव पिता शुभम (6)
अज्ञात

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सासंद वी.डी. शर्मा ने लोकभवन में सौजन्य मुलाकात कर स्मृति चिन्ह स्वरूप श्रीराम लला की प्रतिकृति भेंट की।

बच्ची के मुंह-नाक में रुई ठूंसकर मां ने लगाई फांसी

तड़पती रही 10 महीने की मासूम; बिजली बिल को लेकर पति-पत्नी में हुआ था विवाद

गुना (नप्र)। मध्य प्रदेश के गुना जिले में एक मां ने अपनी 10 महीने की बच्ची के मुंह और नाक में रुई ठूंसने के बाद खुद फांसी लगा ली। बच्ची की हालत गंभीर बनी हुई है। जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि बिजली बिल को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। मामला केंट थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतका की पहचान नानाखेड़ी निवासी कीर्ति कुशवाह (26) के रूप में हुई है, जिसकी शादी नानाखेड़ी निवासी नीतीश से हुई थी। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि दंपत्ति के बीच कुछ समय से विवाद चल रहा था।

मप्र में बिजली बिल में अप्रैल से होगी बढ़ोतरी

2000 रुपए तक बढ़ेगा का आपका खर्च

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगने वाला है। एक बार फिर से बिजली बिल बढ़ने वाले हैं। इसका असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। लोग पहले से ही गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत से जूझ रहे हैं। एमपी में रेगुलेटर ने अप्रैल से टैरिफ में 4.8 फीसदी की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। वहीं, इसे प्रस्तावित बढ़ोतरी से कम बताया गया है। गर्मियों के महीने में उपभोक्ताओं पर इसका असर ज्यादा होगा।

गर्मियों में ज्यादा दिखेगा असर- वहीं, इसका असर सबसे अधिक गर्मियों में दिखेगा। अगर परिवार के पास एसी, एक फ्रिज, दो पंखे, एलईडी लाइटें और टीवी है तो एयर कंडीशनर में सबसे अधिक बिजली खपत है। इसकी वजह से गर्मियों में बिजली बिल में बढ़ोतरी के बाद घर के बजट पर असर दिख सकता है।

डिस्कॉम के घाटे की भी होगी भरपाई- वहीं, अब उपभोक्ता न केवल बिजली बिल भरेंगे बल्कि वे डिस्कॉम के वित्तीय घाटे को भी कम करने के लिए भुगतान करेंगे। वहीं, स्मार्ट मीटर के लिए कोई अलग से शुल्क नहीं लिया जाएगा। ऑनलाइन और समय पर भुगतान करने पर मिलने वाली छूट जारी रहेगी। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को सोलर घंटों में बिजली शुल्क पर 20 फीसदी की छूट मिलती रहेगी।

150 रुपए तक बढ़ सकता है बिजली बिल

दरअसल, एक मीडिल क्लास फैमिली महीने में लगभग 400 यूनिट बिजली खर्च करता है। ऐसे में बिजली बिल लगभग 150 से 160 रुपए तक बढ़ सकता है। ऐसे में लोगों पर साल में 1900 रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

बिजली बिल बढ़ोतरी का उपभोक्ताओं पर ऐसे होगा असर

- अभी आपका बिजली बिल 3236 आ रहा तो बढ़ोतरी के बाद 3394 रुपए आएगा
- महीने में आपका बिजली बिल 158 रुपए बढ़ जाएगा
- साल में आपका बिजली बिल 1900 रुपए बढ़ जाएगा

यहां सबसे ज्यादा बिजली की खपत

- अगर आपके घर में एक टन की एसी है तो 288 यूनिट की खपत
- फ्रीज पर 36 यूनिट की खपत
- दो पंखे में 54 यूनिट की खपत
- आठ एलईडी लाइट में 14 यूनिट की खपत

बढ़ोतरी के बाद ऐसे लगेगा चार्ज

- 0 से 50 यूनिट तक 4.71 रुपए प्रति यूनिट चार्ज
- 51 से 150 यूनिट तक 5.67 रुपए प्रति यूनिट चार्ज
- 151 से 300 यूनिट तक 7.05 रुपए प्रति यूनिट चार्ज
- 300 यूनिट से ऊपर 7.24 रुपए प्रति यूनिट चार्ज
- यूनिट चार्ज के अलावा फिक्स्ड चार्ज भी लगेगा

6000 करोड़ रुपए के घाटे में बिजली कंपनियां

वहीं, बिजली वितर कंपनियों ने 2026-27 के लिए 6000 करोड़ रुपए से ज्यादा के अनुमानित राजस्व घाटे का हवाला दिया है। टैरिफ में 10.19 फीसदी की भारी बढ़ोतरी की मांग की थी। हालांकि जांच पड़ताल के बाद आयोग ने अनुमानित खर्चों में कटौती कर दी है। नियामक आयोग ने बताया कि मौजूदा दरों पर डिस्कॉम के पास वास्तव में लगभग 4400 करोड़ रुपए का अधिशेष होगा। उपभोक्ता पर पड़ने वाले इस बोझ के बावजूद ट्रू अप समायोजनों के कारण इस बढ़ोतरी की अनुमति दी गई है। समायोजनों को ध्यान में रखने के बाद 2026-27 के लिए शुद्ध घाटा लगभग 2867 करोड़ रुपए आंका गया, जिसके बाद टैरिफ में 4.8 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है।

एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर मेल नर्स का सुसाइड

शव के पास मिला इंजेक्शन और सिरिंज, पुलिस ने शुरू की जांच

भोपाल (नप्र)। भोपाल के भानपुर इलाके में रहने वाले मेल नर्स ने एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लेकर सुसाइड कर लिया। शुक्रवार सुबह भाई ने देखने के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के सही कारण का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

भाई के उठाने पर नहीं उठा

26 वर्षीय दुर्गेश अहिरवार पिता मोर सिंह अहिरवार मूल रूप से कुरवाई जिला विदिशा का रहने वाला था। फिलहाल भोपाल में रहकर प्राइवेट कॉलेज से बी फार्मेसी लास्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा था। इसी के साथ एक प्राइवेट नर्सिंग होम में नर्सिंग जॉब भी करता था।

शुक्रवार सुबह मृतक का बड़ा भाई परीक्षा देने के लिए घर से निकल रहा था। तभी उसने छोटे भाई को उठाना चाहा। कई बार आवाज देने पर भी उसके शरीर में किसी प्रकार की कोई हलचल नहीं हुई। आनन फानन में भाई उसे लेकर पास के एक अस्पताल में पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। छोला थाने के सी जी एस सेंगर ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसके मोबाइल फोन को कब्जे में ले लिया है, जिसकी जांच कराई जाएगी।

पुलिस को मृतक के कमरे से एक इंजेक्शन और सिरिंज मिला है। जिसे जप्त कर लिया गया है। दुर्गेश ने एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर आत्महत्या की है। उसने यह कदम क्यों उठाया इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। पिछले 6 सालों से भोपाल में रहकर दुर्गेश पढ़ाई कर रहा था। दुर्गेश तीन भाइयों में सबसे छोटा था।

दुर्गेश अहिरवार, मृतक

परिजन बोले कभी किसी तनाव का जिक्र नहीं किया

मृतक पटेल नगर स्थित भानपुर में किराए के कमरे में रहता था। ठीक पड़ोस वाले कमरे में बहन और बहनोई रहते थे। घटना के समय बहन और बहनोई घर में मौजूद नहीं थे। परिजनों ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि सुसाइड से पहले दुर्गेश ने कभी किसी परेशानी और तनाव का जिक्र नहीं किया। हालांकि पुलिस प्रेम प्रसंग सहित कार्य स्थल एवं कॉलेज में प्रताड़ना के एंगल पर जांच कर रही है।